दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक

क्षितिज किरण

RNI No.MPHIN/2003/10309

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-22 अंक-27 सीहोर, बुधवार 12 मार्च 2025 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

हास्य व्यंग्य के अनूठे होली विशेषांक का हुआ लोकार्पण

विचित्र विनोद का होली विशेषांक एक अनूठा विशेषांक जो सांस्कृतिक परम्पराओं को जीवित रखे हुआ है : विश्वास कैलाश सारंग

होली विशेषांक पर लिखित उपाधियों की चर्चा पूरे भोपाल में होती है : महेश सक्सेना

भोपाल (संदीप पंडा)। विचित्र विनोद होली विशेषांक का लोकार्पण खेल एवं युवा कल्याण एवं सहकारिता मंत्री विश्वस कैलाश सारंग, वरिष्ठ पत्रकार महेश सक्सेना, वरिष्ठ अधिवक्ता साजिद अली द्वारा 22 विचित्र विलो प्रोफेसर कॉलोनी भोपाल मध्यप्रदेश में किया गया। के.के.सक्सेना (प्रधान सम्पादक) एवं विलक्षण सक्सेना (सम्पादक) द्वारा उपस्थित जनो पर लिखित उपाधी का वाचन किया गया। कार्यक्रम खेल एवं युवा कल्याण व सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग एवं पूर्व सांसद आलोक संजर की मौजूदगी में सम्पन्न हुआ। विचित्र विनोद के होली विशेषांक लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान श्री सारंग ने कहा कि कोई भी अंक निकालना बडी बात नहीं है उसे वर्षो से निरंतरता प्रकाशित करना बडी बात है, उन्होंने कहा कि विचित्र विनोद का होली विशेषांक ये देश का एक ऐसा विशेषांक है जो अपनी सांस्कृतिक पम्पराओं को जीवित रखे हुआ है जिसमें स्वर्गीय विचित्र कुमार सिन्हा जी की अहम भूमिका रही है। साथ ही उन्होंने होली विशेषांक की निरंतरता के लिये प्रधान सम्पादक श्री के.के.सक्सेना एवं सम्पादक विलक्षण सक्सेना की भूरी भूरी प्रशंसा की। वरिष्ठ पत्रकार महेश सक्सेना ने विचित्र विनोद के संस्थापक स्वर्गीय विचित्र कुमार सिन्हा जी की पुरानी यादों को साझा करते हुए कहा कि श्री सिन्हा जी का जब यह विशेषांक प्रकाशित होता था तो उसमें लिखित उपाधियों की चर्चा चौक से लेकर पूरे भोपाल तक की जाती थी जिसका आज भी लोगों को इंतजार रहता है। मैं होली विशेषांक का जब पहला अंक प्रकाशित हुआ था जब भी साक्षी रहा हूं आज भी साक्षी हूं। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता साजिद अली जी ने कहा कि होली एक ऐसा पर्व जिसमें न कोई जात पात होती है और ना ही कोई गिला सिकवा आज हम सब एक छत के नीचे एक साथ बैठे हुए है इसी को होली कहते है। विचित्र विनोद के होली विशेषांक की शुरूआत श्री विचित्र कुमार सिन्हा जी द्वारा सन 1973 में की गई थी, जिसे के.के.सक्सेना द्वारा निरन्तर प्रकाशित किया जा रहा है, खास बात यह भी है कि अब श्री विचित्र कुमार सिन्हा जी के पोते विलक्षण सक्सेना का भी इस विशेषांक में महत्वपूर्ण योगदान रहता है जो कि विचित्र कुमार सिन्हा जी के विचित्र प्रतिभा के ही स्वरूप है, इस हास्य व्यंग्य के अनूठे विशेषांक में विभिन्न राजनैतिक, साहित्यिक, पत्रकार, एडवोकेट, समाजसेवी, डॉक्टर व देश, प्रदेश के प्रतिष्ठित व्यक्ति व्यक्तियों पर उपाधी लिखी जाती है। कार्यक्रम में संचालनविलक्षण सक्सेना द्वारा किया गया साथ ही कार्यक्रम में कविता पाठ का भी आयोजन किया गया जिसमें भोपाल के जाने माने कवियों ने भाग लिया। जिन्होंने अपनी कविताओं से सभी का मन मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में आई बी शास्त्री, जी.के. छिब्बर, बी.के.बाथम, डॉ. सैय्यद वाहिद अली, सुरेश गुप्ता, दिनेश जोशी, चन्द्र किशोर सिसोदिया, अतुल खरे, राकेश रावत, राजेश दाहिमा, क्रांतिदीप अलूने, के.के. जोशी, संदीप कपूर, महेश सक्सेना, वात्सायन जैन, सोनू भाभा, अजय श्रीवास्तव, आनंद तारण, गोपाल कृष्ण छिब्बर, के.के.दुबे, रवीन्द्र जैन, प्रहलाद दास मेहता, संजय गुप्ता, संजय सिंह चौहान, अजय सोगानी, कमल जैन श्वेता, रघुवीर तिवारी, एम.के. शर्मा, अशोक मेहता,मंजू मेहता, उर्मिला जुनेजा, विजय जुनेजा राजकुमार वर्मा, उमेश राव घोलप, अशोक सोनी, इन्द्र सिंह राजपूत, राजेश जैन, अरविन्द मित्तल, गोपाल मुखरैया, अनिल जैन, प्रभात जैन, ब्रज किशोर वर्मा, अमित तडैया, संजय मुंगावली, अमिताभ बाजपेयी, दीपक जैन, शैलेन्द्र जैन, निर्भय मीणा, राजेश मोहनियां,सहित शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

जम्मू-कश्मीर में दर्दनाक सड़क हादसा, गहरी खाई में टेम्पो गिरने से 4 लोगों की मौत; 8 घायल

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में हादसा होने की खबर सामने आ रही है। जहां एक टेम्पो वाहन सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर गया। जानकारी के अनुसार इस हादसे में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जम्मू से बागनकोट जा रहा टेम्पो वाहन गहरी खाई में गिर गया, अनुमान लगाया जा रहा है कि चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया था। दुर्घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और उन्होंने पुलिस को सूचित किया। अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। हादसे में घायल हुए लोगों को अस्पताल दाखिल करवाया गया है। डॉक्टरों के अनुसार घायलों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

रावण का अहंकार भी नहीं चला है तो तेजस्वी और लालू का क्या चलेगा : गिरिराज सिंह

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव के बयान को लेकर उन पर हमला बोला है। उन्होंने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष को अहंकारी बताते हुए कहा कि वह लालू यादव के बेटे हैं और यही उनकी ख्याति है।

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को संसद भवन परिसर में मीडिया से कहा, तेजस्वी यादव अहंकार में हैं, उन्हें लगता है कि यहां 'लोकतंत्र' नहीं बल्कि 'राजतंत्र' है। वह संघर्ष करके राजनीति में नहीं आए हैं बल्कि वह लालू यादव के बेटे हैं और यही उनकी ख्याति है। मैं उनसे यही कहूंगा कि वह अहंकार न करें, क्योंकि रावण का अहंकार भी नहीं चला है तो तेजस्वी और लालू का अहंकार क्या चलेगा।दरअसल, भाजपा के विधायक हरिभूषण ठाकुर ने होली के दिन मुसलमानों से घरों से नहीं निकलने की अपील की थी, जिसके बाद आरजेडी ने उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

बलोच आर्मी ने पाकिस्तान में ट्रेन की हाईजैक

214 यात्री बंधक, 30 सैनिक मार गिराए

बलूचिस्तान (ए)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में एक बार फिर बलूच लिबरेशन आर्मी नाम का अलगाववादी संगठन सक्रिय हो गया है। उसने जफर एक्सप्रेस ट्रेन को हाईजैक करने की जिम्मेदारी ली है। उसमें बैठे लगभग 214 यात्रियों को बंधक बना लिया है।आतंकवादियों का दावा है कि अगर पाकिस्तान ने सैन्य ऑपरेशन शुरू किया, तो सभी बंधकों को मार दिया जाएगा। इस घटना की सटीक जानकारी अभी तक स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो पाई है। रेलवे अधिकारियों ने जानकारी दी कि उग्रवादी अलगाववादी समूह बलूच लिबरेशन आर्मी ने दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा से खैबर पख्तूनख्वा के पेशावर जा रही ट्रेन पर हमला किया है। इसमें गोलीबारी कर यात्रियों को बंधक बना लिया है।

मुठभेड़ में 30 सैनिकों की मौत

बीएलए ने कहा कि पाकिस्तान की सेना के 30 जवानों को मार दिया है। इस दौरान एक ड्रोन को नष्ट कर दिया है। 214 लोगों को बंधक बना लिया है। बीएलए ने कहा है कि सुरक्षा बलों के क्षेत्र से नहीं हटे, तो बंधकों को जान से मार देंगे।

बलोच लिबरेशन आर्मी ने ली जिम्मेदारी

एक बयान में बचोल लिबरेशन आर्मी ने इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि माशकाफ, धादर और बोलान में हमारे लड़ाकों ने रेलवे ट्रेक को उखाड़ दिया, जिससे जाफर एक्सप्रेस आगे नहीं बढ़ पाई। इस ट्रेन में हमारे लड़ाके मौजूद हैं, जिसमें सभी यात्रियों को बंधक बना लिया है। अब पाकिस्तान सरकार मिलिट्री ऑपरेशन करती है, तो सभी बंधकों को मार दिया जाएगा। इस कत्ल-ए-आम की जिम्मेदारी सिर्फ पाकिस्तान सेना की होगी।

पाकिस्तान ने इमरजेंसी की लागू

पाकिस्तान सरकार ने बयान दिया है कि ट्रेन क्वेटा से पेशावर जा रही थी। इस बीच कुनरी और गदालार के बीच भारी फायरिंग की सूचना मिली। इलाके को सुरक्षित रखने के लिए तुरंत ही इमरजेंसी लागू कर दी गई है। सरकार यात्रियों से संपर्क कर रही है। सरकार ने जानकारी दी कि यह पूरा इलाका पथरीला है। ऐसे में सेना को ऑपरेशन करने में समस्या आ रही है। क्वेटा के सरकारी अस्पतालों में इमरजेंसी लागू कर दी है।

रेलवे संशोधन बिल पास, अब जीएम को मिला एक हजार करोड़ के प्रोजेक्ट स्वीकृत करने का अधिकार

नई दिल्ली, । रेलवे संशोधन अधिनियम 2025 बिल पास हो गया है। यह बिल यात्रियों की सुविधाएं बढ़ाने में मददगार होगा। वहीं, हादसों को रोकने के लिए कचव 4.0 तकनीक के इस्तेमाल का काम तेजी से किया जा सकेगा। नई रेल लाइन बिछाने, स्टेशनों पर रिडेवलमेंट का काम कराने और यात्रियों के सुविधाजनक सफर के लिए नई नई तकनीकों के प्रयोग को बढ़ावा देने वाला है। रेलवे बोर्ड के एग्जक्यूटिव डायरेक्टर के मुताबिक राज्यसभा में पास रेलवे (संशोधन) विधेयक 2025 से जोनों की ताकत बढ़ेगी। जोन के जीएम को एक हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट स्वीकृत करने का अधिकार दिया है यानी स्टेशनों में यात्रियों की सुविधा से लेकर सुरक्षा तक के काम को जीएम खुद करा सकेंगे। अभी तक रेलवे बोर्ड की स्वीकृति लेनी पड़ती थी। इतना ही नहीं नई रेल लाइन से जुड़े कामों को जीएम करा सकेंगे। पहले ये काम बोर्ड की अनुमति से किए जाते थे, जिसमें समय लगता था। हादसों को रोकने के लिए कवच 4.0 तकनीक को स्वीकृति प्रदान की गई है। इसका 10000 किमी. का टेंडर जारी कर दिया गया है, जिसका लक्ष्य पांच साल रखा है। नए विधेयक के पारित होने के बाद यह काम भी समय से पूरा किया जा सकेगा।

केजरीवाल को बड़ा झटका, दिल्ली की अदालत ने नई एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया

नईदिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली का चुनाव हारने के बाद अब अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। दिल्ली के राऊज एवेन्यु कोर्ट से केजरीवाल को बड़ा झटका लगा है। राऊज एवेन्यु कोर्ट ने केजरीवाल के खिलाफ नई FIR दर्ज करने की मांग को स्वीकार कर लिया है। कोर्ट में 2019 में दायर शिकायत में आरोप लगाया गया था कि केजरीवाल, पूर्व आप विधायक गुलाब सिंह और द्वारका की पार्षद रही नितिका शर्मा ने दिल्ली में विभिन्न जगहों पर बड़े आकार के होर्डिंग लगाकर जान बूझकर सार्वजनिक धन का दुरुपयोग किया। शिकायत में इन सब के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी।

मामले की सुनवाई अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा मित्तल ने की और आज कोर्ट ने इस शिकायत को स्वीकार करते हुए पुलिस को 18 मार्च तक आदेश पर अमल को लेकर रिपोर्ट देने को कहा है।बता दें कि अदालत का यह आदेश राष्ट्रीय राजधानी में 10 साल से अधिक समय तक शासन करने के बाद अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी को भारतीय जनता पार्टी द्वारा सत्ता से बेदखल किये जाने के कुछ सप्ताह बाद आया है, जिससे केजरीवाल की परेशानी एक बार फिर से बढ़ सकती है।

पिछले सप्ताह दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आप सरकार द्वारा संचालित मोहल्ला क्लीनिक में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन तथा पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर मुफ्त स्वास्थ्य सेवा के नाम पर भ्रष्टाचार की दुकानें चलाने का आरोप लगाया था। सचदेवा की यह प्रतिक्रिया आप के वरिष्ठ नेता जैन द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिल्ली में भाजपा सरकार द्वारा 250 मोहल्ला क्लीनिक बंद करने की कथित योजना की कड़ी आलोचना करने के बाद आई है। उन्होंने इसे शहर के स्वास्थ्य सेवा ढांचे को पंगु करने वाला कदम बताया था।

400 लड़कियां हुईं गायब, 25 साल से पहले कर दी शादी', भाजपा नेता के दावे से मची खलबली

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। भाजपा नेता पी.सी. ने दावा किया कि केरल के मीनाचिल तालुका में 'लव जिहाद' के कारण 400 लड़कियां गायब हो गईं। उन्होंने ईसाई समुदाय से अपनी बेटियों की शादी 24 साल की उम्र से पहले कराने का आग्रह किया। जॉर्ज नफरती भाषण के एक मामले में अभी जमानत पर बाहर हैं।भाजपा नेता पीसी जॉर्ज ने 'लव जिहाद' को लेकर भी ईसाई समुदाय को चेतावनी दी है। उनका कहना है कि सिर्फ मीनाचिल तालुक में ही 400 लड़कियां 'लव जिहाद' का शिकार हो चुकी हैं। जॉर्ज ने यह विवादित बयान पाला में एक विशेष सम्मेलन को संबोधित करते हुए दिया। यह सम्मेलन नशे के खतरे के खिलाफ पाला धर्मप्रांत के बिशप जोसेफ कल्लारंगट और केरल कैथोलिक बिशप काउंसिल के टेंपरेंस कमीशन के नेतृत्व में आयोजित किया गया था।कार्यक्रम में बीजेपी नेता ने कहा, 'कोट्टायम की मीनाचिल तालुक में ही करीब 400 लड़कियां लव जिहाद में फंस गई हैं। सिर्फ 41 ही उनमें से वापस आई हैं। ऐसा क्यों हो रहा है कि ईसाई लड़कियों के माता-पिता अपनी बेटियों की शादी के लिए 25 साल का होने का इंतजार कर रहे हैं। मैं पैरेंट्स से कहना चाहता हूं कि लड़कियों का 24 साल का होने से पहले ही उनकी शादी कर दो। वह शादी के बाद भी पढ़ाई कर सकती हैं।' पीसी जॉर्ज ने कहा,'क्यों ईसाई अपनी बच्चियों की शादी 25 साल में नहीं कर रहे हैं? क्यों उन्हें घर में रखा है? 25 साल की एक लड़की कल गायब हो गई। वह रात 9.30 पर गायब हो गई।

चर्च परिसर में सूटकेस के भीतर मिला मानव कंकाल, पुलिस इस एंगल से कर रही जांच

कोल्लम, (आरएनएस)। केरल के कोल्लम जिले में सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहां एक चर्च परिसर में एक सूटकेस के अंदर मानव कंकाल बरामद हुआ है। कंकाल कोल्लम के सीएसआई चर्च के कब्रिस्तान के निकट पाया गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में कंकाल मानव प्रतीत हो रहा है।

पुलिस के अनुसार, यह कंकाल काफी पुराना हो सकता है और हत्या का मामला होने की आशंका है। पुलिस वैज्ञानिक तरीकों से जांच कर रही है और पुराने गुमशुदगी के मामलों की पड़ताल भी की जा रही है। कंकाल क्षत-विक्षत अवस्था में मिला है। पुलिस का मानना है कि संभवत: किसी ने शव को सूटकेस में डालकर यहां फेंक दिया होगा।

यह सूटकेस आज सुबह तब नज़र आया जब कुछ लोग चर्च परिसर में काम करने आए थे। वे पाइपलाइन मार्ग पर कार्य कर रहे थे, तभी चर्च कब्रिस्तान के पास एक जंगली इलाके में उन्हें यह सूटकेस मिला।

प्रदेश की 4 ऐतिहासिक धरोहरों का यूनेस्को की टेंटेटिव लिस्ट में शामिल होना हर्ष और गौरव का विषय : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

-मध्यप्रदेश की ऐतिहासिक धरोहरों को मिली वैश्विक पहचान

-प्रदेश की 18 यूनेस्को विश्व धरोहर में 15 टेंटेटिव और 3 स्थाई सूची में शामिल

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की समृद्ध ऐतिहासिक धरोहरों को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। प्रदेश के लिए अत्यंत गर्व और हर्ष का विषय है कि यूनेस्को ने प्रदेश की चार ऐतिहासिक धरोहरों को सीरियल नॉमिनेशन के तहत टेंटेटिव लिस्ट में शामिल किया है। सम्राट अशोक के शिलालेख, चौसठ योगिनी मंदिर, गुप्तकालीन मंदिर और बुंदेला शासकों के महल और किलों को यूनेस्को की टेंटेटिव लिस्ट में घोषित होना प्रमाणित करता है कि मध्यप्रदेश अपनी सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक महत्व के कारण देश में विशेष स्थान रखता है। गत वर्ष भी यूनेस्को ने प्रदेश की 6 धरोहरों, ग्वालियर किला, बुरहानपुर का खुनी भंडारा, चंबल घाटी के शैल कला स्थल, भोजपुर का भोजेश्वर महादेव मंदिर, मंडला स्थित रामनगर के गोंड स्मारक और धमनार का ऐतिहासिक समूह को टेंटेटिव लिस्ट में शामिल किया था। मध्यप्रदेश में अब यूनेस्को द्वारा घोषित 18 धरोहरों है। जिसमें से 3 स्थाई और 15 टेंटेटिव

सूची में है। यूनेस्को की विश्व धरोहर की सूची में प्रदेश के खजुराहो के मंदिर समूह, भीमबेटका की गुफाएं एवं सांची स्तूप यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल स्थायी सूची में शामिल है। वहीं यूनेस्को की टेंटेटिव सूची में मांडू में स्मारकों का समूह, ओरछा का ऐतिहासिक समूह, नर्मदा घाटी में भेड़ाघाट-लमेटाघाट, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व और चंदेरी भी शामिल है। यह उपलब्धि हमारी धरोहरों के संरक्षण तथा संवर्धन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिये एमपी टूरिज्म बोर्ड, संस्कृति विभाग, पुरातत्वविदों, इतिहास प्रेमियो, संस्थाओं और प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई दी है जिन्होंने ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित करने में अमूल्य योगदान दिया हैं।

उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि मध्यप्रदेश को विश्व पर्यटन मानचित्र पर नई ऊंचाइयाँ देगी, साथ ही हमारे गौरवशाली अतीत को नई पहचान दिलाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से आव्हान किया कि हम सब मिलकर अपनी धरोहरों के संरक्षण के लिए संकल्पबद्ध रहें और मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक गरिमा को और अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचाएं।

मौर्य कालीन अशोक के शिलालेख

मौर्य कालीन अशोक के शिलालेख स्थल भारत के प्राचीनतम लिखित अभिलेख हैं। इन शिला और स्तंभ लेखों में सम्राट अशोक द्वारा बौद्ध धर्म, शासन और नैतिकता से संबंधित संदेश अंकित हैं, जो 2,200 से अधिक वर्षों से संरक्षित हैं। मध्य प्रदेश में पर्यटक साँची स्तंभ अभिलेख, जबलपुर में रूपनाथ लघु शिलालेख, दतिया में गुज्जरा लघु शिलालेख और सीहोर में पानगुरारिया लघु शिलालेख को शामिल किया गया हैं।

भोपाल पुलिस ने ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा गिरोह का भंडाफोड़, पिता-पुत्र गिरफ्तार

भोपाल (आरएनएस)। पुलिस (जोन-02) ने ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा संचालित करने वाले पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मौके से लैपटॉप, डेस्कटॉप, 5 मोबाइल फोन और एक स्श्वष्ठ टीवी सहित करीब 3 लाख का सामान जब्त किया। आरोपी कमल गंगवानी और प्रतीक गंगवानी अवैध रूप से धन अर्जित करने के लिए ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहे थे।

क्रिकेट सट्टे पर पुलिस का शिकंजा

पुलिस उपायुक्त (जोन-02) डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त महावीर सिंह मुजाल्दे और सहायक पुलिस आयुक्त (एम.पी. नगर) अक्षय चौधरी के मार्गदर्शन में थाना अयोध्या नगर पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की।पुलिस को चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल (भारत बनाम न्यूजीलैंड) के दौरान सूचना मिली कि अयोध्या नगर, भोपाल में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा खेलाया जा रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर मौके पर रेड की गई, जहां आरोपी लैपटॉप और स्क्रीन के जरिए 5 मोबाइल की मदद से सट्टा खिला रहे थे।

बरामद सामान:

1 डेल कंपनी का पर्सनल डेस्कटॉप कंप्यूटर

5 मोबाइल फोन

1 एलईडी टीवी

करीब 3 लाख का अन्य सामान

गिरफ्तार आरोपी:

कमल गंगवानी (50 वर्ष)— मूल निवासी कटनी, मध्यप्रदेश, वर्तमान में अयोध्या नगर, भोपाल में निवास। प्रतीक गंगवानी (20 वर्ष) — कमल गंगवानी का बेटा, 12वीं पास, निजी काम करता है।दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना अयोध्या नगर में अपराध क्रमांक 135/2025, धारा 4(a) सट्टा एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। टीम सदस्य: उनि विजय सिंह, उनि सुदील देशमुख, सउनि मनोज सिंह कछवाह, प्रआर अमित व्यास, बृजेश सिंह, रोशनी जैन, मनोज जाट, जितेंद्र उच्चारिया, प्रदीप दामले, मोनिका जायसवाल।

विविध-समाचार

एक हफ्ते में दूसरी बार कर्ज लेगी मोहन सरकार, इस साल 51 हजार करोड़ रुपए ले चुकी है कर्ज

भोपाल (आरएनएस)। मोहन यादव सरकार एक हफ्ते के अंतराल में मंगलवार को फिर बाजार से चार हजार करोड़ रुपए का कर्ज ले रही है। इसका भुगतान सरकार को बुधवार को होगा। दो-दो हजार करोड़ रुपए के यह कर्ज 22 साल और 6 साल के अवधि के हैं जिसका भुगतान सरकार छमाही ब्याज के रूप में करेगी। इसके साथ ही मोहन सरकार चालू वित्त वर्ष में 51 हजार करोड़ रुपए का कर्ज ले चुकी होगी।इसके पहले चार मार्च को छह हजार करोड़ रुपए का कर्ज दो-दो हजार की तीन किस्तों में लिया गया था। सरकार ने पिछले माह 20 फरवरी को जीआईएस के पहले भी 6 हजार करोड़ रुपए का कर्ज लिया गया था। एक हफ्ते के अंतराल में सरकार दस हजार करोड़ रुपए का कर्ज ले रही है। अभी कुछ और कर्ज लिए जा सकते हैं।2023-24 में लिए थे 44 हजार करोड़, इस अवधि तक 3.75 लाख करोड़ का कर्ज मध्यप्रदेश की जनता पर 31 मार्च 2024 को खत्म हुए वित्त वर्ष में 3 लाख 75 हजार 578 करोड़ रुपए का कर्ज है। एक अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 तक बीजेपी सरकार ने एक साल में 44 हजार करोड़ रुपए कर्ज लिया था। इसके पहले 31 मार्च 2023 को सरकार पर कर्ज की राशि 3 लाख 31 हजार करोड़ रुपए से अधिक थी।

8 दिन तक जिंदगी की जंग लड़ते मौत से हार गई युवती, धोखा मिलने पर खाया था जहर; मरने से पहले बनाया वीडियो

भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में एक युवती 8 दिनों तक जिंदगी की जंग लड़ते-लड़ते हार गई. युवती ने रविवार की रात दम तोड़ दिया. अतरवाड़ा गांव की रहने वाली युवती का आरोप था कि शादी का झांसा देकर कई बार प्रताड़ित किया. इससे आहत होकर उसने जहर खाया था. परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया. उसका आठ दिनों तक इलाज चला था, लेकिन रविवार को उसकी मौत हो गई.जानकारी के अनुसार, दो मार्च को युवती जब घर में अकेली थी, तब उसने जहर खा लिया. परिजन जब खेत से लौटे तो खून की उल्टियां करते देख उसे तत्काल अस्पताल ले गए. गंभीर हालत के चलते पहले नागपुर रेफर किया गया, लेकिन सुधार न होने पर छिंदवाड़ा जिला अस्पताल वापस भेज दिया. 9 मार्च की रात इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया.युवती ने मरने से पहले एक वीडियो बनाया, जिसमें उसने योगेश चंद्रवंशी नाम के युवक पर शादी का झांसा देकर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया. उसने वीडियो में कहा कि योगेश ने दूसरी शादी कर ली. इसलिए मैं अपनी जान दे रही हूं. छिंदवाड़ा में सिटी एसपी अजय राणा ने बताया कि युवती की मौत के बाद पोस्टमॉर्टम करा लिया है. मुकदमा दर्ज करने के बाद मामले की जांच जारी है. पुलिस वीडियो समेत अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच कर रही है. अजय राणा ने कहा कि युवती नागपुर में एडमिट थी, वहां पुलिस को दिए बयान के आधार पर भी कार्रवाई की जाएगी.

तहसीलदार की सीएस, डीजीपी से गुहार, एसपी कर रहे परिवार तोड़ने की कोशिश

भोपाल (आरएनएस)। 2014 बैच के आईपीएस अधिकारी और कटनी एसपी अभिजीत कुमार रंजन पर दमोह के तहसीलदार डॉ. शैलेंद्र बिहारी शर्मा ने गंभीर आरोप लगाए हैं। तहसीलदार शर्मा ने मध्यप्रदेश के मुख्यसचिव औरडीजीपी से उनकी लिखित शिकायत की है।शिकायत में उन्होंने अपनी जान को खतरा बताया और पत्नी ष्टस्क्क ख्याति मिश्रा का ट्रांसफर कटनी से बाहर करने की मांग की है। मामला पारिवारिक विवाद और धमकियों से जुड़ा है।उन्होंने कहा कि एसपी उनके परिवार को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी जा रही है।श्री शर्मा का कहना है कि एसपी उनकी पत्नी ख्याति मिश्रा को नौकरी से निकालने की धमकी दे रहे और उन्हें ब्लैकमेल भी कर रहे हैं। यह शिकायती पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।डॉ. शर्मा ने मुख्यसचिव और डीजीपी से अपनी पत्नी का ट्रांसफर कटनी से बाहर करने की गुहार लगाई है। उन्होंने सतना, सीधी या रीवा ट्रांसफर करने का अनुरोध किया है।उन्हें डर है कि कटनी में रहने पर उनकी और उनके परिवार की जान को खतरा हो सकता है।इस पूरे मामले में एसपी अभिजीत कुमार रंजन ने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया है। गौरतलब है कि कटनी एसपी अभिजीत रंजन की गिनती तेजतर्रार अधिकारियों में होती है। वह अपराध के लेकर भी जिले में सख्त रहते हैं।

हायर सेकेंडरी स्कूलों में प्रारंभ होगी 'व्यावसायिक शिक्षा' बच्चों को उद्यमी बनने की सरकार देगी शिक्षा

भोपाल (आरएनएस)। मप्र की मोहन सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। स्कूल शिक्षा विभाग ने नये शैक्षणिक सत्र में 700 नये उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में नये ट्रेड एवं जॉब रोल्स शुरू करने का प्रस्ताव केन्द्र सरकार के शिक्षा विभाग को भेजा है। यह ट्रेड 21वीं सदी के नवीन कौशल उन्नयन पर आधारित है। वर्तमान में 2383 विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा के कोर्स चल रहे है। इन्हें मिलाकर प्रदेश में व्यावसायिक शिक्षा देने वाले स्कूलों की संख्या 3 हजार से अधिक हो जायेगी। इन कोर्स में उन्नत कृषि को बढ़ावा देने पर बल दिया गया है। डेयरी विकास से जुड़े कोर्स कन्स्ट्रशन ट्रेड अंतर्गत मेशन सहायक, कंस्ट्रशन पेन्टर, असिस्टेंट डिजाइनर, फैशन, हाउसकीपिंग, ऑफिस एडमिनिस्ट्रेशन एण्ड मैनेजमेंट के जॉब रोल्स भी प्रारंभ किये जायेंगे। वर्तमान में संचालित कोर्स में कक्षा 9 और 10 में डाटाएंट्री ऑपरेटर, जूनियर फील्ड टेकनिशियन, असिस्टेंट ब्यूटी थेरेपिस्ट, रिटेलस्टोर, ऑपरेशन असिस्टेंट, प्रायवेट सिक्योरिटी गॉर्ड, फूड एण्ड बेवरीज, सर्विस असिस्टेंट, माइक्रो फ़ाइनेंस एग्ज़ीक्यूटिव, असिस्टेंट प्लम्बर, सिलाई मशीन ऑपरेटर, फोर व्हीलर सर्विस असिस्टेंट, इलेक्ट्रॉनिक सर्विस असिस्टेंट और फिजिकल एजूकेशन असिस्टेंट विषय प्रमुख है, कक्षा 11 और 12 में जिन कोर्स को प्राथमिकता दी गई है।

सरकारी जमीन पर निर्माण को लेकर दो पक्षों में विवादः पूर्व पार्षद और पार्षद प्रतिनिधि के बीच मारपीट, दोनों पक्षों के लोगों पर मामला दर्ज

भोजपुर(मंडीदीप) (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के मंडीदीप में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर निर्माण करने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। बहस-बाजी से शुरू हुआ विवाद, मारपीट तक पहुंच गया। घटना का वीडियो भी सामने आया है। जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं मामले में पुलिस ने दोनों पक्ष के लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मामला मंडीदीप के सतलापुर का है। जहां पूर्व मंडल अध्यक्ष और पूर्व पार्षद सुशील शर्मा और वार्ड 14 के पार्षद प्रतिनिधि शेर सिंह चौहान के बीच पार्क की सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर निर्माण करने को लेकर विवाद हुआ। विवाद इतना बढ़ गया कि पूर्व पार्षद और पार्षद प्रतिनिधि के बीच हिंसक झड़प हो गई। और दोनों पक्षों में बीच मारपीट शुरू हो गई। जिसमें शेर सिंह चौहान गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए भोपाल के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इधर घटना के बाद दोनों पक्षों के समर्थक बड़ी संख्या में सतलापुर थाने में जमा हो गए। जहां भी विवाद हुआ। इसके बाद पुलिस ने वार्ड नंबर 16 के पार्षद धर्मेंद्र यादव, पूर्व पार्षद और मंडल अध्यक्ष सुशील शर्मा, पार्षद प्रतिनिधि शेर सिंह चौहान, मंटू शर्मा, रामदीन शर्मा, संदीप साहू सहित दोनों पक्षों के एक दर्जन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

परामर्शदात्री समिति की बैठक में आए सुझावों पर होगी कार्यवाही : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

भोपाल (निप्र)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा है कि ऊर्जा विभाग की परामर्शदात्री समिति की बैठक में विधायकों द्वारा दिये गये सुझावों पर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी का मार्गदर्शन विभाग के लिये उपयोगी सिद्ध होगा। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि आरडीएसएस योजना की संभागवार समीक्षा करेंगे। समीक्षा में विधायकों को भी ऑनलाइन जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि मीटर आधारित कनेक्शन देने पर विचार किया जाएगा। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में आ रही समस्याओं के निराकरण में ऊर्जा विभाग नम्बर एक है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कृषि एवं अन्य क्षेत्रों में विद्युत की निरंतर बढ़ती मांग की पूर्ति के लिये पर्याप्त बिजली उपलब्ध है।अपर मुख्य सचिव ऊर्जा नीरज मण्डलोई ने गत् एक वर्ष में विभाग द्वारा किये गए कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में वर्तमान में कुल विद्युत उत्पादन क्षमता में राज्य का अंश 23 हजार 788 मेगावॉट है। राज्य में पिछले 5 वर्षों में प्रति व्यक्ति बिजली की खपत 1086 यूनिट से बढ़कर 1332 यूनिट हो गई है। यह प्रदेश के विकास का द्योतक है। बैठक में टीकमगढ़ के विधायक यादवेन्द्र सिंह, कटंगी विधायक गौरव सिंह पारधी, पिपरिया विधायक ठाकुरदास नागवंशी और कालापीपल विधायक घनश्याम चंद्रवंशी ने ऊर्जा विभाग के कार्यों में सुधार संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव दिये। उन्होंने क्षेत्रीय समस्याओं से भी अवगत कराया। उप सचिव ऊर्जा मंदार पुराणिक ने पॉवर पॉइन्ट प्रेजेन्टेशन से विभागीय योजनाओं की प्रगति के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर एमडी मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी क्षितिज सिंघल एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

त्यौहार होली एवं ईद के दौरान शहर में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर संवेदनशील इलाक़ों एवं प्रमुख क्षेत्रों में निकाला गया वाहनों से फ्लैग मार्च

-फ्लैग मार्च में पुलिस आयुक्त, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त समेत सभी वरिष्ठ अधिकारीगण हुए सम्मिलित

भोपाल (ए)। आगामी त्यौहार होलिका दहन, धूलहेंडी, रंगपंचमी, रमजान, ई- उल- फितर, चैत्र नवरात्र इत्यादि त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए आज लाल परेड मैदान से पैदल वाहनों से फ्लैग मार्च निकाला गया, जिसमें लगभग 300 जवान तथा 40 चार पहिया वाहन शामिल रहे, जो लगभग 40 किलोमीटर के दायरे में संवेदनशील इलाक़ों तथा प्रमुख स्थानो, बाजारो में निकाला गया। फ्लैग मार्च का शुभारंभ पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र के नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अवधेश गोस्वामी, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त पंकज श्रीवास्तव पुलिस उपायुक्त रियाज इक़बाल, पुलिस उपायुक्त जितेंद्र सिंह पवार, पुलिस उपायुक्त संजय सिंह, पुलिस उपायुक्त संजय अग्रवाल एवं अन्य अधिकारियों एवं जवानों के साथ आज दोपहर लगभग 04:00 बजे लाल परेड

ग्राउंड से किया गया द्यफ्लैग मार्च लाल परेड मैदान से प्रारंभ होकर लिली टॉकीज़ तिराहा, जिंसी तिराहा, बोगदा पुल होते हुए प्रभात चौराहा से अशोक गार्डन, 80 फीट रोड होते हुए भारत टाकीज ओवर ब्रिज होते हुए संगम टॉकीज तिराहा, काली मंदिर, चार बत्ती चौराहा, रेत घाट, रॉयल मार्केट तिराहा लालघाटी चौराहा होते हुए वापस रेत घाट, पॉलीटेक्निक चौराहा, राजभवन तिराहे होते हुए वापस लाल परेड ग्राउंड पर समाप्त हुआद्यउक्त फ्लैग मार्च में RAF, QRF, SAF एवं थाना प्रभारी, थानों का बल, रक्षित केंद्र, यातायात का बल समेत लगभग 300 अधिकारी/कर्मचारी सम्मिलित रहे। फ्लैग मार्च में रुद्र, वज्र, थाना मोबाइल, जिप्सी, बस समेत लगभग 40 वाहन भी शामिल रहे। फ्लैग मार्च का मुख्य उद्देश्य आगामी त्यौहार होलिका दहन, धूलहेंडी, रंगपंचमी, रमजान, ई- उल- फितर, चैत्र नवरात्र इत्यादि त्यौहारों के दौरान शहर में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना तथा गुंडों, बदमाशों तथा असामाजिक तत्वों में भय का माहौल उत्पन्न करना था, ताकि आमजन सुरक्षित महसूस करते हुए हर्षोल्लास के साथ त्यौहार का आनंद ले सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व विधायक श्री सुरेन्द्रनाथ सिंह के निधन पर किया शोक व्यक्त

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल मध्य विधानसभा के पूर्व विधायक और वरिष्ठ भाजपा नेता श्री सुरेन्द्रनाथ सिंह के निधन पर दुःख व्यक्त करते हुए कहा है कि शोक की इस घड़ी में सबकी संवेदनाएं शोकाकुल परिवार के साथ हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. सुरेन्द्रनाथ सिंह ने अपना सम्पूर्ण जीवन कमजोर वर्ग के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया, श्री सिंह ने अपने व्यवहार, स्नेह एवं आत्मीयता से सम्मान प्राप्त किया और कार्यकर्ताओं के बीच अलग छवि बनाई। आमजन के बीच वे मम्मा के नाम से लोकप्रिय थे। उनके निधन से संगठन सहित भोपालवासियों को अपूरणीय क्षति हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिजन को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है।

कब से शुरू हो रही चैत्र नवरात्रि? इस वाहन से आएंगी मां दुर्गा

भोपाल(आरएनएस)। हिन्दू धर्म में चैत्र नवरात्रि का विशेष महत्व है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, 9 दिनों तक मां दुर्गा के 9 स्वरुपों की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की जाती है. पहले दिन घट स्थापना या कलश स्थापना के साथ चैत्र नवरात्रि की शुरुआत होती है. इसके बाद मां दुर्गा के अलग-अलग रुपों की पूजा की जाती है. इस दौरान दुर्गा सप्तशती का पाठ करते हैं. इस बार की चैत्र नवरात्रि का शुभारंभ सर्वार्थ सिद्धि योग में हो रहा है. ऐसे में आज यहां जानते हैं कि चैत्र नवरात्रि कब है? किस शुभ मुहूर्त में कलश स्थापना कर सकते हैं? किस दिन कौन सी माता की पूजा होती है ? क्या है इसका महत्व? नवरात्रि का त्योहार हर साल चार बार आता है.चैत्र माह (वासंती नवरात्रि) में पड़ने वाली चैत्र नवरात्रि और दूसरी शारदीय नवरात्रि (आश्विन मास) होती है. गुप्त नवरात्रि माघ और आषाढ़ महीने में आती है. गुप्त नवरात्रि में दस महाविद्या की पूजा का विधान है।

कब चैत्र नवरात्रि मनाते हैं?

चैत्र नवरात्रि चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शुरू होती है. प्रतिपदा तिथि को कलश स्थापना करते हैं और मां दुर्गा का आह्वान करते हैं. चैत्र नवरात्रि में भी 9 दिनों तक मां दुर्गा के 9 स्वरुपों की विधि विधान से पूजा करने का विधान है।

इस दिन से शुरु हो रही चैत्र नवरात्रि 2025

हिंदू पंचांग के अनुसार, नवरात्रि की शुरुआत चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होती है. प्रतिपदा तिथि की शुरुआत शनिवार, 29 मार्च को शाम 04:27 बजे पर

होगी और समापन रविवार, 30 मार्च दोपहर 12:49 बजे पर होगा. उदयातिथि के अनुसार, चैत्र नवरात्रि रविवार, 30 मार्च से शुरु हो जाएगी. नवरात्रि के पहले दिन पूजा और कलश स्थापना होगी. बता दें कि चैत्र नवरात्रि का समापन 7 अप्रैल को होगा.चैत्र नवरात्रि के पहले दिन कलश स्थापना यानी घट स्थापना का विशेष महत्व होता है. इस चैत्र नवरात्रि में कलश स्थापना के लिए 2 शुभ मुहूर्त बन रहे हैं. एक मुहूर्त सुबह में, जबकि दूसरा मुहूर्त दोपहर में है. कलश स्थापना के लिए पहला शुभ मुहूर्त 6:13 बजे से सुबह 10:22 बजे तक है. वहीं दोपहर में आप अभिजीत मुहूर्त में घट स्थापना कर सकते हैं. यह शुभ समय दोपहर 12:01 बजे से 12:50 बजे तक है।

चैत्र नवरात्रि 9 दिन का कैलेंडर 2025

पहला दिनः रविवार, 30 मार्च 2025- मां शैलपुत्री की पूजा

दूसरा दिनः सोमवार, 31 मार्च 2025- मां ब्रह्मचारिणी की पूजा

तीसरा दिनः मंगलवार, 01 अप्रैल 2025- मां चंद्रघंटा की पूजा

चौथा दिनः बुधवार, 02 अप्रैल 2025- मां कूष्मांडा की पूजा

पांचवें दिनः गुरुवार, 03 अप्रैल 2025- मां स्कंदमाता की पूजा

छठवां दिनः शुक्रवार, 04 अप्रैल 2025- मां कात्यायनी की पूजा

सातवां दिनः शनिवार, 05 अप्रैल 2025- मां कालरात्रि की पूजा

आठवां दिनः रविवार, 06 अप्रैल 2025- मां गौरी की पूजा

नौवां दिनः सोमवार, 07 अप्रैल 2025- मां सिद्धिदात्री की पूजा

हाथी पर सवार होकर आएंगी मां दुर्गा

ज्योतिष शास्त्रों के अनुसार, इस चैत्र नवरात्रि पर मां भगवती हाथी पर सवार होकर आएंगी. वहीं प्रस्थान भी हाथी पर बैठकर ही करेंगी. ऐसी मान्यता है कि जब मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आती है तो यह एक बेहद ही शुभ होता है. दरअसल, हाथी को सुख-समृद्धि और शांति का प्रतीक माना जाता है।

उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने मंत्रालय में वित्त विभाग के अधिकारियों के साथ वित्तीय वर्ष 2025-26 के प्री-बजट के तैयारी की चर्चा की।

जबलपुर में 25 नायब तहसीलदारों को नोटिस, दो अफसर सस्पेंड

भोपाल (आरएनएस)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी दीपक सक्सेना ने विभागीय गतिविधियों में उदासीनता बरतने पर 25 नायब तहसीलदार/तहसीलदारों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उन्होंने राजस्व वसूली, फार्मर रजिस्ट्री, सीमांकन, बटवारा में लक्ष्य की पूर्ति न किये जाने पर यह नोटिस जारी किया है। साथ ही 02 वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकी जाने के लिए प्रस्ताव वरिष्ठ अधिकारी को भेजने को कहा।उन्होंने कहा कि लगातार समीक्षा के दौरान निर्देश दिए जाने के बावजूद भी लक्ष्य के मुताबिक कार्य न किया जाना उदासीनता का घोतक है एवं वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों का उल्लंघन किया जाना परिलक्षित होता है।इस संबंध में दो दिन के भीतर समक्ष में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के दिये निर्देश भी दिए है।उन्होंने कहा कि जवाब समयावधि में प्राप्त न होने की दशा में संबंधित के विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जाकर प्रस्ताव वरिष्ठ अधिकारी को प्रेषित किया जावेगा। क्षेत्रीय कार्यालय स्थानीय निधि संपरीक्षा, जबलपुर में हुये अधिक भुगतान और गबन के मामले में संभागायुक्त अभय वर्मा एवं कलेक्टर दीपक सक्सेना ने कार्यवाही कर इस कार्यालय में पदस्थ दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। वहीं इस मामले के मुख्य आरोपी कार्यालय के सहायक ग्रेड तीन को संचालनालय स्थानीय निधि संपरीक्षा भोपाल द्वारा निलंबित किया गया है। संभागायुक्त अभय वर्मा ने इस मामले में स्थानीय निधि संपरीक्षा के क्षेत्रीय कार्यालय में पदस्थ सहायक संचालक श्रीमती प्रिया विश्नोई को तथा कलेक्टर दीपक सक्सेना ने इस कार्यालय की ज्येष्ठ संपरीक्षक श्रीमती सीमा अमित तिवारी को निलंबित किया है। दोनों अधिकारियों के निलंबन की यह कार्यवाही सौपें गये कर्त्तव्यों को गंभीरता से न लेने तथा कार्य संपादन में लापरवाहीपूर्ण रवैया अपनाने पर की गई है।

टैंकर-जीप की टक्कर, 9 की मौत,12 लोग घायल

सीधी (आरएनएस)। टैंकर और जीप की टक्कर में 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक घायल ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। 12 घायलों में से 7 की हालत गंभीर है। हादसा कोतवाली थाना इलाके में हुआ। मृतकों में पांच महिलाएं और तीन पुरुष शामिल हैं। घायलों में 6 बच्चे भी हैं। गंभीर घायलों को रीवा मेडिकल अस्पताल रेफर किया गया है, बाकी को सीधी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

डीएसपी गायत्री तिवारी ने बताया- राजमणि साहू अपनी बेटी का मुंडन संस्कार कराने मैहर के झोखो जा रहे थे। उनके परिवार के साथ ससुराल पक्ष के लोग भी थे। टैंकर सीधी से बहरी की ओर जा रहा था। रात करीब ढाई बजे उपनी पेट्रोल पंप के पास दोनों वाहनों में आमने-सामने से टक्कर हो गई। मामले की जांच की जा रही है।

सयाजी द्वार पर हुड़दंग करने वाले आरोपितों का सिर गंजा कर पुलिस ने निकाला जूलुस.....!

देवास (आरएनएस)। कल रात भारत ने चैम्पियन ट्रॉफी का फायनल मैच जीता था, मैच के बाद सैकड़ों लोग सयाजी द्वार पर एकत्रित हुए उन्होनें आतिशबाजी कर भारत की जीत का जश्न मनाया। वहीं भीड़ में कई लोग हुड़दंग भी करने लगे, भीड़ में ही कुछ लोग यहां-वहां पटाखे फेंककर आतिशबाजी कर रहे थे। भीड़ को हटाने के लिए कोतवाली थाने का पुलिस बल मौके पर पहुंचा था। वहीं पुलिस ने हुड़दंगियों को पकडक़र गिफ्तार कर लिया था। इसी बीच सयाजी द्वार स्थित चौपाटी पर एक दुकान संचालक को पुलिसकर्मी ने लाठी से पीट दिया था। युवक को गंभीर अवस्था में जिला चिकित्सालय भेजा जहां उसका प्राथमिक उपचार कर उसे इंदौर रेफर कर दिया था। आज इसी मामले को लेकर घायल युवक के परिजन व सामाजिक लोगों ने आरक्षक पर कार्रवाई की मांग को लेकर पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन सौंपा। पुलिस अधीक्षक ने मामले को गंभीरता से देखते हुए आरक्षक को लाइन अटेच कर प्रकरण की जांच करने के लिए निर्देश दिए है। कोतवाली थाना पुलिस ने गिरफ्तार हुड़दंगियों का सिर गंजा कर उनका देर शाम को जूलुस शहर के बीच सयाजी द्वार तक निकाला था।

डीईओ ने किया विकासखंड चांचौडा अंतर्गत राजस्थान बॉर्डर के बोर्ड परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

गुना (आरएनएस)। जिला शिक्षा अधिकारी श्री चंद्रशेखर सिसोदिया ने अपने दल के साथ विकासखण्ड चांचौडा अंतर्गत राजस्थान बॉर्डर के परीक्षा केन्द्रों शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मृगवास, शासकीय हाई स्कूल सानई, शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुंभराज, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुंभराज, अशासकीय सरस्वती विद्या मंदिर हायर सेकेंडरी स्कूल कुंभराज एवं शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बीनागंज का निरीक्षण कर परीक्षा की व्यवस्थाओं को देखा। सभी केन्द्रों पर परीक्षाएं शांतिपूर्ण रूप से संचालित पाई गई। कोई नकल प्रकरण दर्ज नहीं हुआ।

भाई ने अपने ही भाई-बहनो के साथ की धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेज बनाकर कराया जमीन का नामांतर

शिवपुरी (आरएनएस)। खबर कलेक्ट्रेट कार्यालय से है जहां भाई-बहनों के साथ उनके ही एक भाई द्वारा धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है बता दे कि उनके भाई ने मां की मृत्यु के बाद जमीन का फर्जी तरीखे से बिना जानकारी के नामांतरण करा लिया है उक्त भाई के खिलाफप्रकरण दर्ज कराने की मांग भाई-बहनों ने कलेक्टर से की है।

जानकारी के अनुसार सिंहनिवास के रहने बाले भाई बहनो ने बताया कि उनकी मां प्रेमबाई शर्मा पत्नि स्व. रामबल्लभ शर्मा के स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि सर्वे क. 1295/1 रकवा 1.030, सर्वे नं. 1656 रकवा 0. 070, सर्वे नं. 1331 रकवा 0.090 जिसमें हमारे एक भाई महेन्द्र शर्मा द्वारा एकाएक माँ से बसीयतनामा सम्पादित कराया गया था।

बताया कि हमारी माँ की मृत्यु के बाद महेन्द्र शर्मा द्वारा हमें उक्त भूमि के संबंध में जानकारी न देते हुए तहसील शिवपुरी में अपने नाम से नामातंरण करा लिया गया है। जिसकी जानकारी हम तीन भाई नरेन्द्र, वीरेन्द्र, राजेन्द्र, एवं तीन बहनें सीमा, उमा, विजया शर्मा को लगी तो हमारे द्वारा महेन्द्र से कहा गया कि आपने हमारे साथ धोखाधड़ी की है तो उसने कहा कि मां ने मेरे नाम से वसीयतनामा किया है उसके आधार पर मैंने नामांतरण करवाया हैं। बताया कि उनके द्वारा तहसील से उक्त नामांतरण की फाइल निकलवाई तो उसमें तीनों भाईयो व तीनो बहनों का जो संयुक्त शपथ पत्र दिनांक 26 दिसंबर 2023 को एडवोकेट कैलाश नारायण शर्मा के नोटरी करवाई गई है उसमें उनके हस्ताक्षर नही है व बहनो के शपथ पत्र अंगूठा लगा लिये है जबकि बहनो द्वारा हस्ताक्षर किये जाते है इतना ही शपथ पत्र में एक बहन का नाम आधारकार्ड में विजया शर्मा है जबकि शपथ पत्र में लाली शर्मा के नाम से फर्जी हस्ताक्षर किये गये हैं।

मान्यता रद्द बताकर गणेशा पब्लिक स्कूल को अचानक बंद कर दिया, पालक पहुचें कलेक्टर के पास

शिवपुरी (आरएनएस)। खबर कलेक्ट्रेट कार्यालय से है जहां भौंती क्षेत्र के रहने बाले लोगो ने भौंती में गणेशा स्कूल के संचालक द्वारा अचनाक स्कूल बंद कर देने से बच्चो की पढाई रूक जाने व अन्य स्कूलों में एडमिशन न होने की शिकायत लेकर कलेक्टर से मदद की गुहार लगाई है। उनकी मांग है कि बच्चों का RTE के तहत अन्य स्कूल में एडमिशन किया जाए। जानकारी के अनुसार मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे लोगो ने बताया कि हमारे बच्चे भौंती के प्रायवेट इंग्लिश मीडियम गणेशा पब्लिक स्कूल में सत्र 2024-25 में अध्यनरत थे लेकिन गणेशा पब्लिक स्कूल के संचालक जनार्धन सर, हरिसिंह द्वारा अचानक स्कूल बंद कर दिया एवं जिससे समस्त छात्र-छात्रायें RTE के तहत बच्चों का नि:शुल्क एडमिशन होने पर अन्य स्कूल में प्रवेश नहीं दिया जा रहा जिससे समस्त पालकों के बच्चों का भविष्य खराब हो रहा है।

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ने मनाया स्थापना दिवस, जवानों ने की परेड

गुना (आरएनएस)। एनएफएल विजयपुर की सुरक्षा में तैनात सीआईएसएफ के जवानों ने 56वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया।

इस अवसर पर सीआईएसएफ के जवानों द्वारा भव्य परेड की गई एनएफएल के मुख्य महाप्रबंधक विनय कुमार गुप्ता ने मुख्य अतिथि के रुप में कार्यक्रम में शिरकत की। परेड का नेतृत्व सब इंस्पेक्टर राय सिंह ने किया।

जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि ने सुगम्य यात्रा को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

दतिया (आरएनएस)। शासन द्वारा दिव्यांग व्यक्तियों को अधिक से अधिक सुगम्य वातावरण उपलब्ध कराए जाने हेतु दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सुगम्य यात्रा आज सोमवार को शहर भ्रमण के लिए जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि धीरू दांगी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर अध्यक्ष प्रतिनिधि दांगी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सामाजिक सरोकार में अब हमारे दिव्यांगजन बढचढ़ कर हिस्सेदारी ले रहे है। मध्य प्रदेश शासन की दिव्यांगजन हितकारी योजनाऐं उन्हें आत्मनिर्भर बना रही है। उन्होंने कहा कि सुगम्य यात्रा अभियान से दिव्यांगजनों का साहस और विश्वास जागृत होगा। दांगी ने कहा कि सामाजिक न्याय विभाग की यह योजना दिव्यांगजनों के लिए यात्रा तृतांत का अच्छा अवसर है जब वह विद्यालय, मॉल, पुरातत्व स्थल, स्वास्थ्य सेवाऐं तथा पार्क जैसी सुविधाओं से जोडेगा।

यात्रा सर्व प्रथम रतन मेगा मॉल पहुंची जहां दिव्यांगजनों ने रेलगाडी, मॉल, टाकीज के आनंद ही नहीं लिए बल्कि मॉल प्रबंधक अमित अग्रवाल ने कई प्रश्नोंत्तर किए।

मां रतनगढ़ माता मंदिर पर चैत्र नवरात्रि पर लगने वाले मेले की व्यवस्थाऐं चाक-चौबंद रहे : कलेक्टर

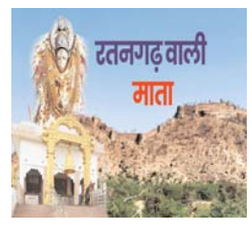

दतिया (आरएनएस)। सोमवार को न्यू कलेक्ट्रेट दतिया के सभाकक्ष में कलेक्टर संदीप कुमार माकिन की अध्यक्षता में आगामी दिनों में मां रतनगढ़ माता मंदिर पर चैत्र नवरात्रि पर लगने वाले मेले की सभी व्यवस्था चाक चौबंद रखने हेतु बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में कलेक्टर माकिन ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी दिनों में चैत्र नवरात्रि प्रारंभ होने वाली है। जिससे मां रतनगढ़ माता मंदिर पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मेला का आयोजन किया जाएगा। मेले में 3 अप्रैल से 7 अप्रैल तक बड़ी संख्या में श्रद्वालुओं केा आने की संभावना है। जिससे मददेनजर रखते हुए सभी व्यवस्थाऐं चाक चौबंद रहे।

शासकीय भूमि पर दबंगो का कब्जा, कचरा डालने पर तार-फेसिंग से छोड़ देते हैं करंट, हटाने की मा

शिवपुरी (आरएनएस)। कलेक्ट्रेट कार्यालय से है जहां करैरा तहसील के ग्राम छितपुर में शासकीय ज़मीन पर कब्जा करने का मामला सामने आया हैं महिला ने इसकी शिकायत कई बार की लेकिन आज तक शासकीय भूमि से कब्ज़ा नहीं हटा हैं।

जानकारी के अनुसार मनकू लोधी पत्नी जिहान सिंह लोधी निवासी ग्राम छितिपुर तहसील करैरा ने आज जनसुनवाई में शिकायत करते हुए बताया की 29 जनवरी 2025 को गांव के दबंग रवि लोधी पुत्र नाथूराम लोधी, संतोष लोधी पुत्र नाथूराम लोधी, दीपक लोधी पुत्र नाथूराम लोधी ने भूमि खसरा नंबर 1166 रकवा 0.1500 हेक्टेयर पर लोहे की जाली लगाकर कब्जा कर लिया है जबकि भूमि शासकीय होने के चलते गांव के दबंग लोगों ने उस पर कब्जा कर लिया हैं. ।महिला ने बताया कि 8 से 10 साल से वह शासकीय भूमि पर कचरा डाल रहे थे। जब अब कचरा डालने जाते हैं तो वह लोहे की जाली में करंट छोड़ देते हैं। जब कब्जा हटाने की कहते हैं तो धमकी देते हैं साथ ही झूठे केस में फ़साने की भी धमकी देते हैं।

पांच ज्योतिर्लिंग के साथ द्वारका और शिरडी के भी दर्शन करवाएगी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन

इंदौर (आरएनएस)। मध्यप्रदेश के तीर्थ यात्रियों के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन लिमिटेड (आई.आर.सी.टी.सी.) द्वारा भारत गौरव पर्यटक ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। यह ट्रेन दिनांक 25.03.2025 को मप्र के रीवा शहर से पांच ज्योतिर्लिंग के साथ द्वारका एवं शिर्डी यात्रा के लिए रवाना होगी। रीवा, सतना, मैहर कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, इटारसी, रानी कमलापति, शुजालपुर, इंदौर, देवास, उज्जैन एवं रतलाम स्टेशनों से होते हुए यह ट्रेन जाएगी। इन सभी स्टेशनों से यात्री इस ट्रेन में सवार हो सकेंगे। 10 रातें/11 दिनों की इस यात्रा में द्वारका, सोमनाथ, नागेश्वर, त्रिम्बकेश्वर, शिरडी, भीमाशंकर एवं घृष्णेश्वर के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा।

व्यापार समाचार

इंडसइंड बैंक के शेयर में 20 प्रतिशत का लोअर सर्किट, मार्केट वैल्यू में आई 14,000 करोड़ रुपये की गिरावट

मुंबई, (आरएनएस)। इंडसइंड बैंक के शेयर में मंगलवार को 20 प्रतिशत का लोअर सर्किट लगा, क्योंकि बैंक के इंटरनल रिव्यू में अनुमान लगाया गया है कि दिसंबर 2024 तक बैंक की कुल संपत्ति पर लगभग 2.35 प्रतिशत का प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

इस भारी गिरावट से बैंक की मार्केट वैल्यू में लगभग 14,000 करोड़ रुपये की गिरावट आई। शेयर 52 सप्ताह के निचले स्तर 720.35 रुपये पर पहुंच गया, जो एनएसई पर लोअर बैंड से नीचे चला गया।

इंटरनल रिव्यू के दौरान बैंक के डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में 2.35 प्रतिशत की विसंगतियां पाए जाने के बाद बैंक की कुल संपत्ति में लगभग 2,100 करोड़ रुपये की गिरावट आने की उम्मीद है।

हिंदुजा प्रमोटेड लेंडर अपनी चौथी तिमाही की आय या अगले वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 2026) की पहली तिमाही में इस नुकसान की भरपाई करने की योजना बना रहा है।

इंटरनल रिव्यू निष्कर्षों ने बैंक के स्टॉक के लिए कई ब्रोकरेज से टारगेट प्राइस में कटौती की है, जो कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुमंत कठपालिया को केवल एक वर्ष का विस्तार दिए जाने के कुछ दिनों बाद ताजा उथल-पुथल के बीच है।

बैंक ने बॉन्ड इंवेस्टमेंट क्लासिफिकेशन और वैल्यूएशन पर भारतीय रिजर्व बैंक के सितंबर 2023 के दिशानिर्देशों के अनुसार, डेरिवेटिव पोर्टफोलियो पर अपने इंटरनल निष्कर्षों के स्वतंत्र रूप से रिव्यू और सत्यापन के लिए एक एक्सटर्नल एजेंसी नियुक्त की है।

एक्स के खिलाफ साइबर हमला, एलन मस्क ने दी जानकारी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। 'एक्स' यूजर को सोमवार को उस वक्त परेशानी का सामना करना पड़ा, जब एक्स पर यूजर कुछ भी सर्च नहीं कर पा रहे थे। इसके पीछे क्या वजह थी, वह भी सामने आई है। बताया गया है कि एक्स पर साइबर अटैक हुआ था। जिसकी वजह से सारी सेवाएं ठप हो गई थीं। इस बात की जानकारी 'एक्स' प्लेटफॉर्म के मालिक एलन मस्क 'एक्स' पर पोस्ट कर दिया। पोस्ट में उन्होंने लिखा, एक्स पर एक बड़ा साइबर हमला हुआ, इसके पीछे के लोगों का पता लगाया जा रहा है। हम पर हर दिन हमला होता है, लेकिन यह बहुत सारे संसाधनों के साथ किया गया था। या तो एक बड़ा, समन्वित समूह और/या एक देश इसमें शामिल है। इसका पता लगाया जा रहा है। एक्स के डाउन होने की समस्या देशभर में देखने को मिली। एक यूजर ने एक्स के डाउन होने पर लिखा, क्या ट्विटर डाउन है? क्या किसी और को भी यह समस्या हो रही है। एक अन्य यूजर ने लिखा, ऐसा लगता है कि कोई वास्तव में नहीं चाहता कि एक्स कामयाब हो। आश्चर्य है कि इसके पीछे कौन है। एक्स के डाउन होने के बाद अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसकी जानकारी साझा करते हुए यूजर नजर आए। फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे अन्य प्लेटफॉर्म पर सोशल मीडिया यूजर शिकायतें दर्ज करते हुए नजर आए।एक्स को अक्टूबर 2022 में मस्क ने अधिग्रहित किया था। एक्स को खरीदने के बाद मस्क द्वारा बड़े पैमाने पर छंटनी की गई थी। कई बड़े अधिकारियों को नौकरी से निकाला गया।

फिच ने अदाणी एनर्जी को 'रेटिंग वॉच नेगेटिव' लिस्ट से हटाया, लंबी अवधि में मजबूत रहेगी आय

नई दिल्ली (ए)। (आईडीआर) फिच रेटिंग्स ने अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) की लॉन्ग टर्म फॉरेन और लोकल-करेंसी इश्यूअर डिफॉल्ट रेटिंग्स (आईडीआर) को 'बीबीबी-' पर बरकरार रखा है और कंपनी को 'रेटिंग वॉच नेगेटिव' लिस्ट से हटा दिया है।ग्लोबल रेटिंग्स एजेंसी ने कहा, हमारा मानना है कि समूह की तरलता और फंडिंग आवश्यकताओं से जुड़े जोखिम कम हो गए हैं।

अमेरिकी कार्रवाई के बाद से एईएसएल ने पर्याप्त फंडिंग तक पहुंच दिखाई है और उसने ऑनशोर और ऑफशोर बैंकिंग सुविधाओं से 51 अरब रुपये प्राप्त किए हैं। अदाणी ग्रुप की अन्य कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) द्वारा भी मार्च में ड्यू हुई 1.1 अरब डॉलर की कंस्ट्रक्शन लिंक्ड सुविधा को रिफाइनेंस कर लिया गया है।इंटरनेशनल रेटिंग्स एजेंसी ने कहा, चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में एईएसएल की उच्च परिसंपत्ति उपलब्धता 99.7 प्रतिशत पर थी। यह वित्त वर्ष 24 के स्तरों के करीब है और सभी रेगुलेटरी बेंचमार्क से ऊपर है।एईएसएल की क्रेडिट प्रोफाइल को भारत के स्थिर और अनुकूल विनियामक वातावरण से लाभ मिलता है।रिपोर्ट में कहा गया है, हमें उम्मीद है कि मध्यम अवधि में इसकी ट्रांसमिशन एसेट्स से प्राप्त आय ईबीआईटीडीए में बड़ी हिस्सेदारी बनाए रखेगा। हालांकि, इसके स्मार्ट मीटरिंग कारोबार का योगदान बढ़ता रहेगा। नोट में कहा गया,हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 2025 और वित्त वर्ष 2026 में पूंजीगत व्यय बढ़कर 175 अरब रुपये प्रति वर्ष हो जाएगी। वित्त वर्ष 2024 में यह 40 अरब रुपये था। यह पूंजीगत व्यय निर्माणाधीन ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट्स और स्मार्ट मीटरिंग कारोबार पर किया जाएगा। एईएसएल ने डिजाइन, निर्माण, वित्त, स्वामित्व, संचालन और हस्तांतरण संरचना के तहत पांच भारतीय राज्यों में 22.8 मिलियन स्मार्ट मीटर लगाने की बोली जीती है।

सोने में तेजी के साथ कारोबार, चांदी के भाव में भी तेजी

- सोने के भाव 85,600 रुपए, चांदी 96,800 रुपए के करीब

नई दिल्ली (ए.)। सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में तेजी देखने को मिल रही है। मंगलवार दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। मंगलवार को सोने के वायदा भाव 85,600 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 96,800 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में सुस्त शुरुआत के बाद सुधार देखने को मिल रहा है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 184 रुपये की तेजी के साथ 85,603 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 85,419 रुपये था। इस समय यह 214 रुपये की तेजी के साथ 85,633 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 281 रुपये की तेजी के साथ 96,746 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 96,465 रुपये था।

शेयर बाजार में सपाट कारोबार

मुम्बई (ए.)। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिय भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली से आई है। आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला बीच में उसमें रिकवरी हुई पर अंत में इसके बाद भी बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 12.85 अंक तकरीबन 0.02 फीसदी की गिरावट के साथ 74,102.32 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी अंत में 37.60 तकरीबन 0.17 फीसदी बढ़कर 22,497.90 पर बंद हुआ। बीएसई मिडकैप इंडेक्स में 0.7 फीसदी की बढ़त रही जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.7 फीसदी की गिरावट आई। निफ्टी में सबसे ज्यादा सन फार्मा, आईसीआईसीआई बैंक, श्रीराम फाइनेंस और बीपीसीएल के शेयर ऊपर आये। वहीं इंडसइंड बैंक, इन्फोसिस, बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड कॉर्प और एमएंडएम के शेयरों में गिरावट रही। बीएसई पर 2,469 शेयरों में गिरावट आई, जबकि 1,499 शेयरों में बढ़त रही।धातु , संपत्ति, टेलीकॉम, ऑयल एंड गैस में 0.5 से 3 फीसदी तक की बढ़त रही जबकि ऑटो, आईटी और बैंक सेक्टर में 0.3 से 0.7 फीसदी की गिरावट रही।

Indigo का होली धमाका ऑफर सिर्फ 1199 रुपए में हवाई सफर करने का मौका

नई दिल्ली, (आरएनएस)। होली के त्योहार को और भी रंगीन बनाने के लिए, भारत की सबसे बड़ी घरेलू एयरलाइन, इंडिगो ने अपनी बहुप्रतीक्षित "होली गेटअवे सेल" की घोषणा की है। इस विशेष ऑफर के तहत, यात्री अब मात्र 1,199 रुपए से शुरू होने वाले अविश्वसनीय रूप से किफायती हवाई किराए का लाभ उठा सकते हैं। यह सुनहरा अवसर उन लोगों के लिए है जो होली पर अपने प्रियजनों से मिलना चाहते हैं या किसी मनोरम स्थान की यात्रा की योजना बना रहे हैं।इंडिगो की "होली गेटअवे सेल" आज, 10 मार्च से शुरू हो चुकी है और यह 12 मार्च तक जारी रहेगी। इस दौरान बुक की गई टिकटों पर 17 मार्च 2025 से 21 सितंबर 2025 के बीच यात्रा की जा सकती है। घरेलू उड़ानों के लिए एकतरफा किराया 1,199 रुपए से शुरू होता है, जबकि अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए यह 4,199 रुपए से शुरू होता है। किफायती किराए के अलावा, इंडिगो यात्रियों को कई आकर्षक ऐड-ऑन पर भी भारी छूट प्रदान कर रहा है।

ट्रंप के फैसलों से शेयर बाजार में हाहाकार, निवेशकों के 330 लाख करोड़ खाक

वाशिंगटर्न (ए.)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से लगाए जा रहे टैरिफ ने निवेशकों की मुश्किले बढ़ा दी है। जिस कारण अमेरिकी शेयर मार्किट में भारी गिरावट दिखाई दे रही है। इसका असर भारतीय शेयर बाजार पर भी हो रहा है। अमेरिकी शेयर बाजार में कारोबारी सत्र के दौरान पिछले दो साल की सबसे बड़ी गिरावट देखी गई। S&P 500 इंडेक्स 2.7% की गिरावट के साथ सितंबर के बाद अपने सबसे निचले लेवल पर पहुंच गया और 5,614.56 पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डैक कम्पोजिट 4 प्रतिशत टूटकर 17,468.32 अंक पर आ गया। यह नैस्डैक का सितंबर 2022 के बाद के सबसे खराब लेवल है। गिरावट के कारण, पिछले महीने एसएंडपी 500 के रिकॉर्ड लेवल से 4 ट्रिलियन डॉलर (करीब 330 लाख करोड़ रुपये) का नुकसान हुआ है।

इन कंपनियों को हुआ बड़ा नुकसान

कारोबारी सत्र के दौरान टेस्ला समेत कई बड़ी ग्लोबल कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई। डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एक समय 1100 अंक तक गिर गया था, लेकिन अंत में यह 890.01 अंक (2.08%) की गिरावट के साथ 41,911.71 पर बंद हुआ। यूएस स्टॉक मार्केट में आई बड़ी गिरावट से दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क को ज्यादा नुकसान हुआ। उनकी इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी टेस्ला का शेयर 15.43 प्रतिशत टूटकर 222.15 डॉलर पर बंद हुआ। इसके अलावा NVIDIA का शेयर 5.07 % टूटकर 106.98 डॉलर पर आ गया। Microsoft के शेयर 3.34% की और अमेजन के शेयर में 2.36% की गिरावट देखी गई। कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच कारोबार में आईटी, मीडिया और प्राइवेट बैंक सेक्टरों में बिकवाली देखी गई। सेंसेक्स 371.74 अंक या 0.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ 73,743.43 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 104.25 अंक या 0.46 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,356.05 पर था। निफ्टी बैंक 349.75 अंक या 0.73 प्रतिशत की गिरावट के साथ 47,867.05 पर था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 567.80 अंक या 1.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 47,872.30 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 252.05 अंक या 1.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ 14,946.10 पर था।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

भाषा के झगड़े को तूल

मराठी को महाराष्ट्र और मुंबई की भाषा है, यहां रहने वाले व्यक्ति को इसे सीखना और बोलना चाहिए। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने संघ के वरिष्ठ नेता भैयाजी के बयान के बाद उठे विवाद पर कहा।

जोशी ने कहा था, मुंबई की एक भाषा नहीं है, मुंबई में कई भाषाएं हैं। अलग-अलग इलाकों की अलग-अलग भाषाएं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मुंबई आने वालों को मराठी सीखने की कोई जरूरत नहीं। इस पर विपक्षी महाअघाड़ी में शामिल राजनीतिक दल इस विवाद में एकजुट हो गए और जोशी के बयान की आलोचना की।

हालांकि बाद में जोशी ने बयान से पलटते हुए अपनी टिप्पणी को गलत तरीके से देखे जाने की बात की और मराठी को महाराष्ट्र व मुंबई की भाषा बताया। शिवसेना (उद्धव) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने जोशी पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज किया जाए। देश के संविधान में 22 भारतीय भाषा को मान्यता दी गई है, जबकि आधिकारिक भाषाएं आज भी हिन्दी व अंग्रेजी ही हैं। राजनीति के चलते 2018 में इसमें असमिया व मणिपुरी को भी इसमें शामिल किया गया। विभिन्न राज्यों के लोग अपनी-अपनी भाषाओं को संविधान की अनुसूची में शामिल करने की मांग उठाते रहते हैं। स्थानीय स्तर पर इन भाषाओं का महत्त्व होने के बावजूद आम जनता के लिए कोई बड़ा मुद्दा नहीं है। दक्षिणी राज्यों में भी हिन्दी का जो विरोध होता है, उसके पीछे शुद्ध राजनीतिक कारण हैं।

व्यावहारिक स्तर पर जोशी की बात सटीक हाने के बावजूद भाषाई विवाद को तूल देने वाले भी अपनी राजनीति चमकाने का काम कर रहे हैं। यह सही है कि मुंबई में मराठी बोलने वालों से गुजराती बोलने वाले भी कम नहीं हैं। दूसरे मुंबई हिन्दी फिल्मों का गढ़ है। जो दुनिया भर में देश की पहचान ही नहीं कायम करते हैं।

भाषा के झगड़े को तूल देने की जरूरत तो नहीं है मगर भैयाजी को भी अपना बयान सिर्फ इसीलिए वापस लेना पड़ा क्योंकि इससे मराठी भाषियों की भावनाएं आहत होने की आशंकाएं बढ़ रही थीं। मातृभाषाओं से प्रेम करने वाले भारतीय अपने देश की अखंडता और सहिष्णुता को भाषाई विभेद से बहुत ऊपर आंकते हैं। यही कारण है कि हम इतनी सारी बोलियों व भाषाओं को साथ लेकर चलते रहे हैं।

यूक्रेन पर डोनाल्ड ट्रंप का तेवर

अवधेश कुमार

यूक्रेन मोर्चे पर अंतिम समाचार यह है कि ब्रिटेन फ्रांस और यूक्रेन ने मिलकर एक युद्धविराम योजना बनाई है जिसे अमेरिका के सामने प्रस्तुत किया जाएगा।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर की बात मानें तो इस पर लगभग सहमति बन गई है। युद्ध समाप्त करने पर चर्चा के लिए यूरोपीय नेताओं के साथ 2 मार्च को शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था।

इस शिखर सम्मेलन में फ्रांस, जर्मनी, डेनमार्क, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, पोलैंड, स्पेन, कनाडा, फिनलैंड, स्वीडन, चेक गणराज और रोमानिया के नेता के अलावा तुर्किये के विदेश मंत्री, नाटो महासचिव तथा यूरोपीय आयोग और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष ने भाग लिया। विश्व की दृष्टि से यह यूरोप का संपूर्ण सशक्त शिखर सम्मेलन था। विश्व ने देखा कि किस तरह यूरोपीय नेताओं ने वोलिदिमीर जेलेंस्की की आवभगत की तथा उन्हें महत्त्व दिया। ओवल ऑफिस यानी अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय से निकलने के बाद जेलेंस्की सीधे ब्रिटेन आए और प्रधानमंत्री स्टार्मर ने उन्हें गले लगाया और कहा कि उन्हें उनके देश का अटूट समर्थन प्राप्त है तो इसके पीछे तत्काल ट्रंप एवं दुनिया को एक संदेश देने की रणनीति है। वास्तव में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस ढंग से यूक्रेन पर अपने तेवर दिखाए और पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मैक्रो के साथ उनकी बहस हुई तथा जेलेंस्की को व्हाइट हाउस से बाहर किया गया वह दुनिया में सबसे बड़ी हलचल मचाने वाली घटना बन गई।

अमेरिकी इतिहास की यह पहली घटना थी जब व्हाइट हाउस में दो नेताओं के बीच इस तरह बहस हुई, दोनों उंगली उठाते दिखे तथा किसी विदेशी मेहमान को वहां से बाहर निकालना पड़ा। प्रश्न है कि अभी आगे होगा क्या? ऐसा दिख रहा है कि यूरोप के ज्यादातर नेता इस समय जेलेंस्की के साथ है। हालांकि वर्तमान यूरोपीय नेता अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में उथल-पुथल के परिणाम से आशंकित हैं और वे संतुलित आचरण की कोशिश कर रहे हैं। ब्रिटिश प्रधानमंत्री स्टार्मर ने सधे हुए वक्तव्य में कहा कि अब हम इस बात पर सहमत हो गए हैं कि ब्रिटेन, फ्रांस और संभवत: एक या दो अन्य देशों के साथ मिलकर यूक्रेन के साथ लड़ाई रोकने की योजना पर काम किया जाएगा और फिर उस पर अमेरिका के साथ चर्चा

करेंगे। स्टार्मर ने कहा कि उन्हें पुतिन पर विश्वास नहीं है, लेकिन ट्रंप पर विश्वास है और वह जब कहते हैं कि उन्हें शांति चाहिए तो हम मान कर चलते हैं कि वह यही चाहते हैं। इसमें दो मत नहीं कि कोई समझौता स्थाई शांति की गारंटी होनी चाहिए। इसलिए स्टार्मर अगर कह रहे हैं कि हम अस्थाई युद्ध विराम का जोखिम नहीं ले सकते तो सामान्य तौर पर इसे असहमत होना कठिन है। एक बड़े समूह को ट्रंप का व्यवहार अटपटा और एकपक्षीय लग सकता है। धीरे-धीरे विश्व में ऐसे लोगों की संख्या बढ़ी है जो मानते हैं कि उनका व्यवहार गलत नहीं है। एक समय यूक्रेन के प्रति विश्व की सहानुभूति थी और यह सच है कि अमेरिका और यूरोप की मदद के कारण पुतिन की युद्ध योजना पर तुषारापात हुआ। यूक्रेन जैसे छोटे देश को घुटनों पर लाना उनके लिए कठिन हो गया। किंतु पूरे काला सागर सहित क्रीमिया के क्षेत्र को देखें तो वहां लंबे समय से यूरोप की भूमिका के कारण ही स्थिति इतनी जटिल है कि उनका स्थाई निपटारा संभव नहीं। सोवियत संघ जिन राज्यों को मिलकर बना उनमें ज्यादातर आज स्वतंत्र हैं, पर उनकी भौगोलिक सीमाएं खासकर समुद्र में और आसपास इतनी स्पष्ट नहीं है। न भूलिए कि प्रथम और द्वितीय युद्ध विश्व युद्ध के पीछे उसे क्षेत्र की भौगोलिक जटिलताएं और राजनीतिक व्यवहार की बड़ी भूमिका थी। द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त होने के बावजूद अमेरिका के समक्ष सोवियत संघ के दूसरी महाशक्ति के रूप में खड़ा होने के कारण थोड़ा संतुलन रहा तथा यूरोप के प्रमुख देशों ने आपस में भौगोलिक जटिलताएं खत्म कीं, राजनीतिक महत्त्वाकांक्षाओं पर लगाम लगाई। बावजूद न संपूर्ण यूरोप के लिए और न विश्व के लिए अस्थाई सुरक्षा और शांति सुनिश्चित हुई। सोवियत संघ के विघटन के बाद अमेरिकी नेतृत्व वाले नाटो और उसकी सेना कायम रही। अगर अमेरिका और यूरोपीय देश यूक्रेन को नाटो का सदस्य बनाने की ओर कदम आगे नहीं बढ़ाते तथा उसे हथियार नहीं देते तो पुतिन के लिए इस तरह आक्रमण करने का आधार नहीं बनता। शेष विषयों को छोड़ दें तो जेलेंस्की यह घोषणा कर देते कि वह नाटो का सदस्य नहीं बनेंगे तो भी शायद स्थिति इतनी बिगड़ती नहीं। सच यह है कि यूक्रेन-रूस युद्ध वियुद्ध की पृष्ठभूमि तैयार कर चुका है। कई बार आपको शांति के लिए दबाव और अन्य बाध्यकारी दबावकारी कड़े भी कदम उठाने पड़ते हैं। ऐसा लग रहा है कि रूस यूक्रेन युद्ध को रोकने के लिए ही ट्रंप ने इस स्तर कड़ा रु ख अपनाया है। जेलेंस्की को भी अमेरिका के महत्त्व का पता है और उन्होंने कहा है कि वह खनिज पर समझौते के लिए फिर से व्हाइट हाउस जाने को तैयार हैं, लेकिन उन्हें सुरक्षा की गारंटी चाहिए। जेलेंस्की विश्व इतिहास को ठीक से देखें। कोई देश किसी की सुरक्षा की स्थाई गारंटी नहीं दे सकता। इस समय उन्हें गारंटी दी जा सकती है। बस, वे स्वयं को भी बड़ी सैन्य शक्ति बनने या ऐसी अन्य महत्त्वाकांक्षाओं से अलग रखें। यूरोपीय देशों को भी समझना होगा कि पहले की तरह यूक्रेन की सैन्य और कूटनीतिक मदद जारी रखकर वे कुछ समय तक आर्थिक लाभ पा सकते हैं, रूस और यूक्रेन भी दबाव में रह सकता है, लेकिन यह विश्व को बड़े संकट में फंसाने वाला भी साबित होगा। यूरोपीय देशों में तत्काल सबसे ज्यादा सक्रिय ब्रिटेन और फ्रांस को भी अपनी शक्ति की सीमाओं का आभास होगा। अमेरिका के साथ यूरोप की सुरक्षा व्यवस्था इतनी आबद्ध है कि वह इससे बिल्कुल अलग हटकर एकाएक नई सशक्त सुरक्षा प्रणाली उत्पन्न नहीं कर सकते। ब्रिटेन का तो नाभिकीय ढांचां तक अमेरिका के साथ अविच्छिन्न जुड़ाव है। उनको पूरी तरह अलग कर अमेरिका के विरुद्ध जाना इस समय असंभव लगता है। इसलिए उनके अंदर भी नये सिरे से मंथन चल रहा है। ट्रंप अड़े रहते हैं तो भविष्य में एक सहमतिकारक समझौता संभव है। कम से कम तत्काल विश्व के हित में होगा और आगे इस पर शांति की कोशिश हो सकती है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून के वाडिया इंस्टीट्यूट में जलवायु परिवर्तन और नवीकरणीय ऊर्जा पर एक सेमिनार को संबोधित किया।

सिर्फ तमाशबीन पार्टी बन कर रह गई कांग्रेस

हरिशंकर व्यास

कांग्रेस पिछले एक दशक से ज्यादा समय से चुनाव हार रही है। लेकिन उससे पहले जब वह जीती और दो बार लगातार केंद्र में सरकार में रही तब भी उसका लोकप्रिय समर्थन अधिक नहीं था। जब वह कई राज्यों में सरकार में थी और केंद्र में भी उसकी सरकार थी तब भी कांग्रेस का जनाधार घट रहा था। कारण था भगवा रंग। वह भगवा, हिंदू विमर्श से बाहर होती गई। हालिया महाकुंभ प्रायोजित मगर लोकप्रिय विमर्श था। उत्तर भारत के हर गांव, घर में पिछले दो महीने से सिर्फ महाकुंभ की चर्चा थी। लेकिन कांग्रेस कहीं भी उस चर्चा का हिस्सा नहीं बन पाई क्योंकि वह इस लोकप्रिय नैरेटिव से बाहर थी। कई दशक पहले से ऐसे ही थी लेकिन वास्तविक अर्थों में 1989 से कांग्रेस की गिरावट है। पिछली सदी के आखिरी एक दशक में दो लोकप्रिय विमर्श हुए थे। पहला, अयोध्या में राम मंदिर का आंदोलन और दूसरा पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षण देने वाले मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू करना। इन दोनों लोकप्रिय राजनीतिक विमर्शों में से कांग्रेस नदारद थी या फिर रिसीविंग एंड पर थी। यानी वह सबके हमले का निशाना बनी रही। हर तरफ से इन दोनों के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया गया था।

हैरानी नहीं है जो पिछले साढ़े तीन दशक से ये ही दोनों नैरेटिव किसी न किसी रूप में भारतीय समाज और राजनीति दोनों को गाइड कर रहे हैं। पिछले 35 साल में मंदिर और मस्जिद का नैरेटिव स्थापित हुआ है और चला है या फिर आरक्षण का विमर्श चला है। इन 35 वर्षों में कांग्रेस 15 साल सत्ता में रही लेकिन न तो वह इन दोनों विमर्शों का

हिस्सा बनी और न इसे बदलने के लिए उसने कोई वैकल्पिक नैरेटिव खड़ा किया। सोचें, कांग्रेस के पास 1991 से 1996 तक का कैसा मौका था! उस समय वह चाहती तो मंदिर और आरक्षण यानी धर्म और जाति के राजनीतिक विमर्श को आर्थिक और विकास के विमर्श में बदल सकती थी। लेकिन उसने नहीं किया।

नरसिंह राव की सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को उदारीकरण के रास्ते पर लाकर बड़ा मौका दिया था। अगर कांग्रेस उनके साथ ईमानदारी से खड़ी होती तो सारे विमर्श बदल जाते। देश में उद्योग धंधे लगते, रोजगार और नौकरियों के नए अवसर बनते, भारत वैश्विक प्रतिस्पर्धा में शामिल होता लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। जो हुआ उसका आकार बहुत छोटा और रफ्तार बहुत धीमी रही। इसका कारण यह था कि कांग्रेस के नेता सोनिया गांधी के प्रति अपनी निष्ठा साबित करने में लगे रहे।

मृत्यु अनसुलझे रहस्यों में से एक

संजय गोस्वामी

जीवन की कार्यप्रणाली के बारे में विज्ञान ने जो कुछ भी सीखा है, उसके बावजूद मृत्यु अब भी अनसुलझे रहस्यों में से एक है। दार्शनिक विलियम जेम्स ने 1909 में लिखा था, कभी-कभी मैं यह मानने के लिए ललचाता हूँ कि सृष्टिकर्ता ने प्रकृति के इस विभाग को हमेशा भ्रमित बनाये रखने का इरादा किया है, ताकि हमारी जिज्ञासा और आशाओं और संदेहों को समान रूप से उत्तेजित किया जा सके।बोर्जिगिन ने 2015 में जो प्रश्न पहली बार पूछा था - कि मृत्यु के समय मस्तिष्क में क्या होता है - वह एक चौथाई सहस्राब्दी पहले का है। सन् 1740 के आसपास, एक फ्रांसीसी सैन्य चिकित्सक ने एक प्रसिद्ध औषधि विक्रेता के मामले की समीक्षा की, जो बुरी बुखार और बहुत अधिक रक्तस्राव के कारण बेहोश हो गया था और उसे लगा कि वह धन्य लोगों के राज्य में चला गया है। डॉक्टर ने अनुमान लगाया कि फार्मासिस्ट की यह दुर्घटना मस्तिष्क में रक्तस्राव के कारण हुई थी। लेकिन उस प्रारंभिक रिपोर्ट से लेकर 20वीं सदी के मध्य तक, निकट-मृत्यु अनुभवों में वैज्ञानिक रुचि कम नहीं हुई थी।1892 में, स्विस पर्वतारोही और भूविज्ञानी अल्बर्ट हेम ने 30 अन्य पर्वतारोहियों के निकट-मृत्यु अनुभवों का पहला व्यवस्थित विवरण एकत्र किया, जो लगभग मरणासन्न स्थिति में पहुंच गये थे। हेम लिखते हैं कि कई मामलों में, पर्वतारोहियों को अचानक ही सब कुछ याद आ जाता है जो बीत चुका है, उन्हें सुन्दर संगीत सुनाई देता है, और वे गुलाबी बादलों वाले नीले आकाश में गिर जाते हैं।

मेष राशि: आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। हार्डवेयर का कारोबार कर रहे लोगों को आज अच्छा लाभ होगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। आज आपका स्वास्थ्य फिट रहने वाला है। आज विद्यार्थी अपनी पढ़ाई में रुचि लेंगे। आज दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी। ट्रांसफर में आ रही दिक्कतें आज खत्म होंगी, ट्रांसफर आपकी मनपसंद जगह पर हो सकता है।

वृष राशि: आज का दिन आपको कारोबार में लाभ दिलाने वाला है। आज आपको किसी ख़ास रिश्तेदार से मिलने का मौका मिलेगा। सी-टीईटी की तैयारी कर रहे छात्रों को अपनी मेहनत जारी रखने की जरूरत है, सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। ग्रोसरी का कारोबार कर रहे लोगों का कारोबार अच्छा चलेगा। जीवनसाथी से चल रही अनबन आज खत्म होगी, जिससे घर में शांति का माहौल बना रहेगा।

मिथुन राशि: आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज आपको किसी प्रकार का शुभ समाचार मिलेगा, जिससे घर में उत्साह का माहौल रहेगा। आज ऑफिस में आपके कार्यों की प्रशंसा होगी, आपका मन प्रसन्न रहेगा। मोबाइल एक्सेसरीज का कारोबार कर रहे लोगों को अच्छा लाभ होने वाला है। आज अपने परिवार के प्रति विनम्र रहने की आवश्यकता है।

कर्क राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपको बाहर के मसालेदार खाने से परहेज करने की जरूरत है, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आज ऑफिस में अपना पूरा फोकस काम पर रखें। मीडिया से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन शानदार रहेगा। आज माता-पिता को स्पेशल फील कराएंगे, उनकी पसंद का गिफ्ट उन्हें दे सकते हैं। आज लवमेट डिनर पर जा सकते हैं।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। रेस्टोरेंट का कारोबार शुरू करने का विचार बना रहे लोगों को किसी बड़े की सलाह लेनी चाहिए। आज विद्यार्थी वर्ग किसी प्रोजेक्ट को पूरा करने में सफल रहेंगे। आज ऑफिस के किसी टारगेट को अचीव करेंगे। आज आप फ्रेंड्स के साथ पिकनिक स्पॉट पर जाने की प्लानिंग कर सकते हैं।

कन्या राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। शिक्षकों के ट्रांसफर में आ रही परेशानी आज खत्म होगी। स्वास्थ्य के लिहाज से आप चुस्त दुरुस्त बने रहेंगे। साइबर कैफ़े का कारोबार कर रहे लोगों को आज अच्छा लाभ होगा। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को अपनी मेहनत जारी रखने की आवश्यकता है। लवमेट आज आपके लिए कुछ स्पेशल करेंगे। आज आपकी मुलाकात किसी पुराने दोस्त से होगी, जिससे आपको बहुत खुशी मिलेगी। प्रेस में काम कर रहे लोगों की सैलरी में इन्क्रीमेंट होगा।

तुला राशि: आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। बैंक से लोन लेने में आ रही परेशानी आज खत्म होगी। राजनीति से जुड़े लोगों को आज सम्मानित किया जायेगा। कॉस्मेटिक का कारोबार कर रहे लोगों का आज ज्यादा से ज्यादा प्रोडक्ट सेल होगा। आज अपने जीवनसाथी की पसंद का पकवान बनायेंगी, उन्हें बेहद खुशी होगी।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन नए व्यापार को शुरू करने के लिए बढ़िया रहेगा। आज ऑफिस से जरूरी कॉल आ सकती है, आज आपको मीटिंग अटेंड करनी पड़ सकती है। दांपत्य रिश्ते में हो रही अनबन आज खत्म होगी, जीवनसाथी के साथ दिन मनोरंजन से भरा रहेगा। सरकारी विभाग से जुड़े लोगों को पदोन्नति मिल सकती है।

धनु राशि: आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आप वाहन खरीदने का विचार परिवार के साथ कर सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षा में सफल होने के लिए आपको और मेहनत की आवश्यकता है, सफलता जरुर मिलेगी। आज आपका स्वास्थ्य रोज की अपेक्षा बेहतर रहेगा। नेगेटिव थिंकिंग रखने वाले लोगों से आज आपको दूरी बना कर रखनी चाहिए।

मकर राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आपको कार्य क्षेत्र में अपने विरोधियों से सतर्क रहने की जरुरत है। लवमेट को आज काफी देर तक फोन पर बात करने का अवसर मिलेगा। आज वकील वर्ग को किसी केस में जीत हासिल होगी। किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को अपनी पढ़ाई को गति देने की आवश्यकता है। क्रॉकरी का कारोबार कर रहे लोगों को बिजनेस में आज अच्छा लाभ होगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी।

कुंभ राशि: आज आपका दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आपको स्वास्थ्य संबंधी समस्या से काफी राहत मिलेगी। जीवनसाथी के साथ कई दिनों से चल रही गलतफहमियां आज दूर होंगी, जिससे आपका रिश्ता और मजबूत बनेगा। शिक्षकों के लिए आज का दिन उर्जा से भरपूर रहने वाला है। आज आपके पिता किसी जरूरी बात पर आपकी सलाह लेंगे।

मीन राशि: आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। दांपत्य जीवन में सुख सौहार्द की वृद्धि होगी। आज किसी पर अधिक भरोसा करने से पहले उसे अच्छे से जान लें। विद्यार्थियों को अपने करियर का चुनाव करने का सही समय है। ऑनलाइन बिजनेस कर रहे लोगों को आज बड़ा ऑर्डर मिलने के योग है। इस राशि के लोगों को आज वाहन चलाते समय सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

ना-रंगी जमात की औरंगी सियासत

-राकेश अचल

सियासत का कोई एक रंग होता तो उसे आसानी से पहचाना जा सकता था,लेकिन मुल्क की सियासत तो बहुरंगी है। इन तमाम रंगों के बीच एक रंग ऐसा है जो नारंगी होकर भी ना-रंगी है। इस ना-रंगी सियासत की जमात अलग है। फर्जी की तरह टेढ़ी-टेढ़ी चलती है ,जैसे प्यादे से फर्जी होकर फर्जी चलता है। मेरा ख्याल है कि अब आप समझ गए होंगे कि मैं किस सियासत की और किस जमात की बात कर रहा हूँ ?

दरअसल मुल्क में ना-रंगी सयासत ने नैतिकता की तमाम हदों को पार कर लिया है और अब नारंगी सियासत मुल्क में औरंगी सियासत पर उतर आयी है। औरंगी यानी औरंगजेबी सियासत। अब नारंगी सियासत चाहती है कि इस मुल्क के इतिहास से न सिर्फ औरंगजेब को बल्कि इस मुल्क की धरती पर बनी औरनग्जेब की कब्र को भी तखलिया कह दिया जाये,ताकि न रहे बांस और न बजे बांसुरी। नारंगी सियासत को लगता है कि जब तक इस मुल्क की जमीन पर औरंगजेब का नाम लेने वाली किताबें और लोग रहेंगे तब तक इस देश में नारंगियों की सियासत कामयाब नहीं हो सकती।

नारंगी सियासत देश की अर्थव्यव्स्थाकी दयनीय हालत,किसानों के आंदोलन ,कुपोषण,गरीबी से परेशान नहीं है। उसे परेशानी नहीं है दुनिया के आधुनिक औरंगजेबों से जो मुल्क कि अस्मिता और समरभूता कि धज्जियां उदा रहे हैं। उसे परेशान किये हुए है चैन से दो गज जमीन के नीचे 300 साल से सोया हुआ औरंगजेब। वो औरंगजेब जो इसी मुल्क की सरजमीं पर पैदा हुआ और इसी मुल्क की सरजमीं में सुपुर्दे खाक कर दिया गया। तीन सौ साल पहले चूंकि इस मुल्क में कोई नारंगी सियासत करने वाला नहीं था इसलिए औरंगजेब को दो गज जमीन भी मिल गयी वरना यदि औरंगजेब आज मरता तो उसे दफन होने के लिए बहादुर शाह जफर की तरह रंगून या एमएफ हुसैन की तरह कुवैत ले जाना पड़ता। क्योंकि नारंगी सियासत में औरंगी सियासत के लिए कोई जमीं नहीं है ।

ताजा खबर ये है कि ना-रंगी ब्रिगेड मुगल सम्राट रहे औरंगजेब की कब्र तक खोद कर फेंक देना चाहती है। नारंगी ब्रिगेड की मांग पर महाराष्ट्र की महान सरकार कानूनी रास्ते भी खोजने में लग गयी है। औरंगजेब की कब्र पुराने औरंगाबाद में है, जिसे नारंगी ब्रिगेड ने बदलकर छत्रपति संभाजी नगर कर दिया है। अब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने भी इस मामले पर बयान दिया है। फडणवीस ने कहा है कि सभी का मानना है कि छत्रपति संभाजीनगर में स्थित औरंगजेब की मजार को हटाया जाना चाहिए, लेकिन यह काम कानून के दायरे में किया जाना चाहिए।महाराष्ट्र की सतारा सीट से भाजपा के सांसद और मराठा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज उदयनराजे भोसले ने छत्रपति संभाजीनगर जिले में स्थित औरंगजेब के मजार को हटाने की मांग की थी।उदयनराजे से पहले उनके तमाम पुरखों के दिमाग में ये हल्का ख्याल कभी नहीं आया। वे बीती ताहि बिसार दे के सिद्धांत पर अमल करते रहे।

इस शानदार मुल्क में नारंगी ब्रिगेड लम्बे इन्तजार के बाद सत्ता में आयी है। उसके दोनों और बैशाखियाँ लगीं हैं, लंगड़ाकर चलती है लेकिन अपनी हरकतों से बाज नहीं आना चाहती नारंगी ब्रिगेड। मुल्क के अमनो-अमान से उसे शायद चिढ है। नारंगी ब्रिगेड का ख्वाब तो इस मुल्क से 20 करोड़ मुसलमानों को देश निकला देने का है लेकिन वो ऐसा दस साल में नहीं कर पायी ,इसीलिए शायद अब औरंगजेब की कब्र हटाकर वो अपने ख्वाब में सांकेतिक रंग भरना चाहती है। यानि आप समझ सकते हैं कि घृणा मरकर भी नहीं मरती । तीन सौ साल बाद भी नहीं मरती घृणा अमर है अजर है। इसी घृणा के सहारे आजकल मुल्क की नारंगी सियासत चल रही है। भगवान श्रीराम भी इस घृणा को समूल समाप्त नहीं कर सकते। आने वाले दिन बेहद चुनौती भरे हैं। कुछ लोग हैं जो औरंगी राजनीती के बहाने खून की होली खेलना चाहते हैं। खेल शुरू भी हो गया है। कोई संभल में एक मसजिद का चेहरा पोतना चाहता है तो कोई चैम्पियन ट्राफी जीतने के बहाने बजरंगबली के नारे लगाकर अपना मकसद पूरा करना चाहता है ,हालाँकि किसी ने बजरंगबली से इसके बारे में कोई इजाजत नहीं ली है। नारंगी ब्रिगेड की औरंगी सियासत आजाद भारत की सबसे कड़वी ,काली और बदसूरत सियासत है। अब ये मुल्क की अवाम को तय करना है कि वो इसी तरह की सियासत को पसंद करती है या नहीं ? इस तरह की सियासत के चलते खामोश रहना भी एक तरह का गुनाह है। आप इसके खिलाफ लिखकर, बोलकर ,सड़कों पर निकलकर बिरोध कीजिये। और कुछ नहीं तो अपने मताधिकार के जरिये बोलिये। यदि आप सबने अपनी चुप्पी न तोड़ी तो तय मानिये कि ये नारंगियों की औरंगी सियासत इस मुल्क को पूरी दुनिया में मुंह दिखने लायक नहीं छोड़ेगी।बहरहाल औरंगजेब की कब्र समभाजी नगर में रहे या उखाड़ फेंकी जाये इससे न औरंगजेब की रूह को कोई फर्क पढ़ना है और न औरंगजेब के वारिसों को ,वे तो कहीं पंचर जोड़ रहे होंगे या बढ़ईगिरी कर रहे होंगे। फर्क पडेगा इस मुल्क के आइन को ,उस आइन को जिसकी कसमें खाते हमारे भाग्यविधाता नहीं थकते। आइन यानि संविधान। यदि संविधान के रहते ये मुल्क एक तीन सौ साल पुरानी किसी मुगल की कब्र नहीं बचा सकता तो आम आदमी के हको-हुकूक को क्या ख़ाक बचाएगा ? फिर इस संविधान की जरूरत क्या है ? मुझे इस बात में कोई संदेह यानि शक-सुब्हा नहीं है कि नारंगी ब्रिगेड औरंगजेब की कब्र को बख्श देगी। नारंगी ब्रिगेड इससे पहले बाबर के नाम से तामीर एक मुर्दा इमारत को जमीदोज कर चुकी है ,वो भी बिना किसी जेसीबी मशीन या बुलडोजर के। तो आप किसी दिन देखेंगे कि औरंगजेब की कब्र भी ठीक उसी तरह खोद फेंकी जाएगी हालांकि उस क्रूर बाशाह की कब्र किसी विवादास्पद जगह पर नहीं बनी है। ऊपर वाला नीचे हो रहे इस नाटक को रोक सके तो रोक ले अन्यथा नीचे रहने वाले भगवान तो खुद नारंगी और औरंगी सियासत के लंबरदार है। जय श्रीराम।

ईडी द्वारा आवास पर की गई छापेमारी केंद्र सरकार द्वारा विपक्ष को परेशान करने के लिए राजनीतिक प्रतिशोध : भूपेश बघेल

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोमवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनके आवास पर की गई छापेमारी भाजपा नीत केंद्र सरकार द्वारा विपक्ष को परेशान करने के लिए की गई राजनीतिक प्रतिशोध है। बघेल ने दावा किया कि ईडी के अधिकारी सुबह 7:30 बजे उनके दुर्ग स्थित आवास पर उस समय पहुंचे जब वह चाय पी रहे थे। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि जब उन्होंने ईसीआईआर नंबर मांगा तो उन्हें नहीं दिया गया, जो एफआईआर के समान है। बघेल ने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि ईडी के पास कोई प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) संख्या नहीं है। जब हमने इसके लिए पूछा तो उनके पास कोई जवाब नहीं था। सात साल पहले मेरे खिलाफ एक गंभीर आरोप लगाया गया था। उस मामले में कुछ नहीं मिला क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने मुझे बरी कर दिया। इस मामले में भी उन्हें कुछ नहीं मिलेगा। बघेल ने आगे आरोप लगाया कि उन्हें न तो छत्तीसगढ़ विधानसभा में जाने दिया गया और न ही फोन इस्तेमाल करने दिया गया। बघेल ने दावा किया कि उन्होंने मुझे आज विधानसभा नहीं जाने दिया। उन्होंने मुझे फोन पर बात करने से भी रोक दिया। मेरी बेटी, मेरा बेटा, बहू और पोते-पोतियां यहीं रहते हैं। हम मुख्य रूप से 140 एकड़ जमीन पर खेती करके कमाते हैं। इससे पहले आज, केंद्रीय जांच एजेंसी ने कथित शराब घोटाले के सिलसिले में छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में 14 स्थानों पर छापेमारी की, जिसमें भूपेश बघेल और उनके बेटे चैतन्य के आवास भी शामिल हैं। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि यह छापेमारी संसद में प्रमुख मुद्दों पर जवाब से बचने के लिए सरकार द्वारा ध्यान भटकाने वाली रणनीति का हिस्सा है। उन्होंने कहा, ''ये ध्यान भटकाने वाली रणनीति हैं। जब भी संसद सत्र चल रहा होता है, तो लोगों के ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा की जानी चाहिए, लेकिन वे इन मुद्दों से भागना चाहते हैं... सरकार जन केंद्रित मुद्दों पर चर्चा नहीं करना चाहती है। इसलिए, जब भी संसद सत्र चल रहा है, वे ये ध्यान भटकाने वाली रणनीति अपनाते हैं। उन्हें ऐसा करने दीजिए।

दोस्तों के साथ घूमने गई भारतीय मूल की छात्रा, रहस्मय तरीके से हुई गायब

नई दिल्ली (ए.)। पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय में भारतीय मूल की 20 वर्षीय छात्रा सुदीक्षा कोनांकी को डोमिनिकन गणराज्य में लापता बताया गया है, जब वह दोस्तों के साथ स्प्रिंग ब्रेक ट्रिप पर गई थी। अधिकारियों का मानना है कि वह समुद्र की तेज़ लहरों में बह जाने के बाद डूब गई होगी। बायोलॉजिकल साइंस और केमिस्ट्री की छात्रा कोनांकी, सात महिलाओं के एक समूह का हिस्सा थी, जो पुंटा काना के रिउ रिपब्लिका होटल में छुट्टियां मना रही थीं। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, वह और एक अन्य छात्रा बीच पर ही रुक गईं, जबकि समूह के बाकी सदस्य 5 मार्च की रात को अपने होटल लौट आए। कोनांकी को आखिरी बार 6 मार्च को सुबह 4:50 बजे देखा गया था।

दादूपुर नलवी को लेकर विपक्ष कर रहा गुमराह : सीएम नायब सैनी

चंडीगढ़ (आरएनएस)। हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन सदन में कांग्रेस विधायकों ने प्रदेश के तमाम मुद्दों को लेकर जोरदार हंगामा किया। इसमें एक मुद्दा दादूपुर नलवी को लेकर भी था। जिस पर विपक्ष ने सरकार से जवाब मांगा। दादूपुर नलवी मामले को लेकर विपक्ष के आरोपों पर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मीडिया से बात की। नायब सैनी ने कहा कि इस मामले पर मैं कहना चाहता हूं कि दादूपुर नलवी के मामले पर सरकार की तरफ से हमेशा जवाब दिया गया है। लेकिन, मैं कहना चाहता हूं कि जब विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं रहता है, तो इस तरह के मुद्दों को हवा देते हैं। सैनी ने कहा कि उच्च न्यायालय के 76 पेज के फैसले में कहीं पर भी नहीं लिखा है कि दोबारा नहर बनाई जाए। विपक्ष इसे लेकर लोगों को गुमराह कर रहा है कि दोबारा नहर बनाने का आदेश दिया गया है। विपक्ष कम से कम फैसला तो पढ़ लें। विपक्षी नेता झूठा आरोप क्यों लगाते हैं और गुमराह क्यों करते हैं। सदन में अंबाला शहर के कांग्रेस विधायक निर्मल सिंह ने दादूपुर नलवी मामले का मुद्दा उठाया। उन्होंने कोर्ट के फैसले के तहत सरकार से यह जानने का प्रयास किया कि दादूपुर नलवी नहर के निर्माण का कोई आदेश सरकार के पास पहुंचा है या नहीं। अगर पहुंचा है तो दोबारा नहर का निर्माण कब होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मॉरीशस के पोर्ट लुईस में शिवसागर रामगुलाम बॉटनिकल गार्डन में शिवसागर रामगुलाम को पुष्पांजलि अर्पित की.

बाइक से आए, पैर छुए, फिर पेट में घोंप दिया जहरीला इंजेक्शन. संभल में तड़पते हुए गई बीजेपी नेता की जान

संभल (ए.)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में सोमवार दोपहर तीन अज्ञात लोगों ने भारतीय जनता पार्टी के नेता गुलफाम सिंह यादव को जहरीला पदार्थ देकर उनकी हत्या कर दी। भाजपा नेता, जो पार्टी की पश्चिमी उत्तर प्रदेश इकाई के पूर्व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष भी थे, की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। गुन्नौर के सर्कल ऑफिसर दीपक तिवारी के अनुसार, गुलफाम सिंह यादव जुनावई पुलिस स्टेशन के तहत दफ्तरा गांव में अपने खेत पर बैठे थे, जब तीन लोग बाइक पर आए और उन्हें नशीला पदार्थ पिला दिया। पुलिस ने बताया कि सोमवार दोपहर को जब गुलफाम सिंह यादव अपने आंगन में बैठे थे, तभी तीन लोग बाइक पर सवार होकर उनसे मिलने आए। उन्होंने एक-दूसरे का अभिवादन किया, यादव के पास बैठे और उनका हालचाल पूछा। उन्होंने पानी भी मांगा और पीया, जिसके बाद यादव लेट गए।

केतकी सिंह की मेडिकल कॉलेज में मुस्लिमों की एंट्री बैन मांग पर सपा का पलटवार, फखरुल हसन चांद ने भाजपा पर साधा निशाना

लखनऊ (आरएनएस)। भाजपा विधायक केतकी सिंह ने बलिया जिले में बनने वाले मेडिकल कॉलेज में मुस्लिमों की एंट्री बैन करने की मांग की है। उनके इस बयान पर समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा पर निशाना साधा। फखरुल हसन चांद ने वीडियो बयान में कहा कि भाजपा विधायक केतकी सिंह का बयान पीडीए के खिलाफ है। यह पहला बयान नहीं है जो भाजपा ने पीडीए के खिलाफ दिया हो। भाजपा की ओर से अभी तक किसी ने भी केतकी सिंह के बयान का खंडन नहीं किया है। इसलिए सपा समझती है कि ये बयान भारतीय जनता पार्टी का बयान है। सपा प्रवक्ता ने आगे कहा कि भाजपा विधायक योगेश वर्मा के साथ क्या व्यवहार हुआ था ये किसी से छिपा नहीं है। उत्तर प्रदेश में दलित परिवार के बारात ले जाने पर क्या व्यवहार हुआ था, ये भी किसी से छिपा नहीं है। समाजवादी पार्टी केतकी सिंह के बयान की निंदा करती है।बता दें कि भाजपा विधायक केतकी सिंह ने बलिया जिले में बनने वाले मेडिकल कॉलेज में मुस्लिमों की एंट्री बैन करने की मांग की है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने मांग रखी है कि इस मेडिकल कॉलेज में मुस्लिमों के लिए अलग विंग बनाया जाए। हिंदुओं को सुरक्षित रखने के लिए ऐसा करना जरूरी है। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है और इसे समाज को बांटने वाला बयान बताया जा रहा है।भाजपा विधायक ने यह भी कहा था कि मुसलमानों को हमारे त्योहारों जैसे होली, रामनवमी, दुर्गा पूजा से परेशानी होती है, तो उन्हें हमारे साथ इलाज कराने में भी दिक्कत हो सकती है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि उनके लिए अलग से भवन और विंग बना दे, ताकि वे वहां जाकर अपना इलाज करा सकें और हम भी सुरक्षित महसूस कर सकें।

पंजाब के गुरदासपुर में किसानों और पुलिस के बीच झड़प, लाठीचार्ज में 8 किसान घायल

गुरदासपुर(आरएनएस)। पंजाब के गुरदासरपुर जिले के श्रीहरगोबिंदपुर साहिब के पास गांव नंगलझोर में माहौल उस समय तनावपूर्ण हो गया जब किसानों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। जानकारी के अनुसार आठ किसान घायल बताए जा रहे है। किसान नेताओं ने बताया कि श्रीहरगोबिंदपुर साहिब में गुजर रहे हाईवे को लेकर सरकार कब्जा लेना चाहती है, जबकि किसान नेता इसे नहीं देना चाहते है। इसी को लेकर किसानों-पुलिस प्रशासन के बीच टकराव हो गया। इस टकराव के दौरान कई किसानों की पगड़ियां उतर गईं। इस दौरान किसानों ने सरकार और पंजाब पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। घायल किसानों को अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। इस घटना ने किसानों और सरकार के बीच तनाव बढ़ा दिया है।

कमर्शियल वाहनों की ग्रीन कार्ड के बिना चार धाम में नो एंट्री : देहरादून आरटीओ

देहरादून (आरएनएस)। चारधाम यात्रा में आने वाले कमर्शियल वाहन चालकों को अब ग्रीन कार्ड के बिना एंट्री नहीं मिलेगी। इस बार ऑनलाइन बुकिंग व्यवस्था को और भी सुगम बना दिया है। देहरादून आरटीओ सुनील शर्मा ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि चारधाम यात्रा के लिए एक माह पहले ही ग्रीन कार्ड जारी किए जाएंगे। पीली प्लेट की जितनी भी गाड़ियां हैं उनके लिए ही ग्रीन कार्ड बनाना जरूरी होगा, चाहे वाहन प्रदेश का हो या दूसरे राज्य का हो। बसों के संचालन के लिए यूनियन से बातचीत कर रोटेशन सिस्टम लागू किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि ग्रीन कार्ड एक फिटनेस सर्टिफिकेट है। बिना फिटनेस के वाहन चालकों को ग्रीन कार्ड नहीं मिलेगा। छोटी गाड़ी 400 और बड़ी गाड़ी की फीस 600 रुपये है। उसकी फिटनेस के बाद उसको ऑनलाइन ही ग्रीन कार्ड जारी कर दिया जाएगा। हिंदू धर्म के सबसे पवित्र तीर्थस्थलों में से एक माने जाने वाले चारधाम यात्रा का हिंदूओं के दिलों में अन्य हिंदू तीर्थस्थलों की तुलना में एक अलग धार्मिक महत्व है। यमुनोत्री, गंगोत्री, बद्रीनाथ और केदारनाथ से मिलकर बनी चार धाम यात्रा अप्रैल/मई के महीने से शुरू होती है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, चार धाम यात्रा की शुरुआत अक्षय तृतीया यानि 30 अप्रैल 2025 से होने जा रही है। बद्रीनाथ के कपाट 4 मई और केदारनाथ धाम के द्वार 2 मई को सुबह 7 बजे खुलेंगे।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आनंद विहार स्थित झुग्गी बस्ती में आग लगने की घटना स्थल का दौरा किया, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई।

दिल्ली के आनंद विहार में झुग्गी में लगी आग, तीन लोगों की जलकर मौत

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के आनंद विहार इलाके में झुग्गी-झोपड़ी में आग लगने से तीन लोगों की जलकर मौत हो गई। यह घटना बीती रात की बताई जा रही है, जहां करीब दो बजे आग लग गई। जानकारी के अनुसार, डीडीए की खाली जमीन पर झुग्गी बनी हुई थी। चश्मदीद नितिन ने बताया कि उसे रात में करीब दो बजे आग लगने की खबर मिली, जिसके बाद झुग्गी छोड़कर वह भाग गए। उन्होंने बताया कि उनके तीन साथी भी उसी झुग्गी में रहते थे और उन्हें लगा कि वे तीन लोग भी अपनी जान बचाकर बाहर निकल गए हैं, लेकिन वे तीनों बाहर नहीं निकल पाए थे और आग लगने से तीनों की जलकर मौत हो गई। नितिन ने बताया कि झुग्गी में बिजली नहीं थी, जिस वजह से डीजल लैंप जलाया जा रहा था, जिससे आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन मौके पर पहुंचे और आग बुझने के बाद तीनों शव बाहर निकाले गए। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और आग लगने का कारण पता लगाया जा रहा है।

होली पर महिलाओं को मुफ्त सिलेंडर मिलेगा या फिर एक और जुमला : आतिशी

नई दिल्ली (आरएनएस)। आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं ने एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा किए गए वादों और दावों पर सवाल उठाए हैं। पार्टी नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि 8 मार्च को हर महिला के खाते में 2500 जमा किए जाएंगे। विपक्ष का कहना है कि अभी तक इस योजना का रजिस्ट्रेशन तक शुरू नहीं हुआ है, जिससे महिलाओं के बीच निराशा बढ़ रही है। आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी ने दिल्ली के अलग-अलग इलाकों से आई महिलाओं के साथ एक प्रेस वार्ता करते हुए कहा है कि भाजपा द्वारा किया गया दूसरा वादा था होली के अवसर पर हर महिला को मुफ्त गैस सिलेंडर देने का। जो अब तक धरातल पर नजर नहीं आ रहा है। उन्होंने कहा कि होली में अब केवल तीन दिन बचे हैं, लेकिन दिल्ली की महिलाओं को यह समझ नहीं आ रहा कि उनके घर में फ्री सिलेंडर कब पहुंचेगा। दिल्ली के विभिन्न इलाकों से आई हुईं महिलाएं आम आदमी पार्टी के विधायकों के कार्यालयों में जमा हो रही हैं और यह सवाल उठा रही हैं कि उनके फ्री सिलेंडर का क्या हुआ। महिलाओं का कहना है कि भाजपा सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि 14 मार्च, होली के दिन, दिल्ली की सभी महिलाओं को मुफ्त सिलेंडर मिलेगा या नहीं। आतिशी ने कहा है कि महिलाओं का आरोप है कि यदि 2500 का वादा केवल एक जुमला निकला, तो क्या सिलेंडर का वादा भी महज एक छलावा साबित होगा? दिल्ली की महिलाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिल्ली भाजपा अध्यक्ष रेखा गुप्ता से जवाब मांगा है कि क्या होली पर मुफ्त सिलेंडर मिलेगा या फिर यह भी एक चुनावी वादा बनकर रह जाएगा?

हथियारबंद बदमाशों ने परिवार पर किया हमला,फायरिंग से दहशत

भरतपुर(आरएनएस)। रुदावल थाना क्षेत्र के डुमरिया गांव में दो बदमाशों ने एक परिवार पर जानलेवा हमला कर दिया। देर रात हुई इस वारदात का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें फायरिंग की आवाज सुनी जा सकती है। हमले में एक व्यक्ति घायल हुआ है, जबकि घर की दीवारों पर गोलियों के निशान बने हुए हैं। पीड़ित साहब सिंह ने FIR दर्ज कराई और बताया कि रात करीब 9 बजे वह घर पर था, तभी भगवान सिंह और लखन बंदूक व धारदार हथियार लेकर पहुंचे और आते ही उसके ताऊ रामरूप की छाती पर बट से हमला कर दिया। जब परिवार के अन्य लोग रामरूप को बचाने आए तो आरोपियों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी।परिवार के सदस्यों ने किसी तरह घर के अंदर छिपकर अपनी जान बचाई और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके से खाली कारतूस बरामद किए हैं और मामले की जांच शुरू कर दी है।

अबू आजमी ने छत्रपति संभाजी महाराज को उनके बलिदान दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि दी

मुंबई,(आरएनएस)। मुगल शासक औरंगजेब की तारीफ करने पर विवादों में घिरे समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक अबू आजमी ने मंगलवार को छत्रपति संभाजी महाराज को उनके बलिदान दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि दी। सपा विधायक अबू आजमी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर छत्रपति संभाजी महाराज को फोटो पोस्ट किया। साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा, स्वराज्य के दूसरे छत्रपति, पराक्रमी योद्धा एवं वीर योद्धा छत्रपति संभाजी महाराज को उनके बलिदान दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि। जानकारी के अनुसार, छत्रपति संभाजी महाराज मराठा साम्राज्य के दूसरे शासक थे। इनके पिता का नाम छत्रपति शिवाजी महाराज था। 14 मई 1657 को जन्में छत्रपति संभाजी महाराज ने पिता की मृत्यु के बाद 1681 में मराठा साम्राज्य की बागडोर संभाली थी। वे अपनी वीरता, युद्ध कौशल और हिंदू स्वाभिमान के लिए जाने जाते हैं। बता दें कि हाल ही में सपा विधायक अबू आजमी ने मुगल शासक औरंगजेब की तारीफ की थी। इसके बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने उनकी आलोचना की। हालांकि, अबू आजमी ने विवाद बढ़ने पर अपने बयान को वापस ले लिया था। इसके बावजूद उन्हें मौजूदा विधानसभा सत्र से निलंबित कर दिया गया था। सपा नेता ने मौजूदा सत्र से निलंबन को राजनीति से प्रेरित बताया था। सपा नेता ने वीडियो बयान में कहा था कि विधानसभा अध्यक्ष ने मुझे पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया। मुझे ताज्जुब हुआ कि मैंने विधानसभा के अंदर कोई गलत बात नहीं की थी।

होली के रंग से ज्यादा दिक्कत तो हिजाब पहन लो, यूपी के मंत्री ने दी अजीबोगरीब सलाह

लखनऊ (ए.)। उत्तर प्रदेश के मंत्री रघुराज सिंह ने मंगलवार को एक विवादित टिप्पणी करते हुए सुझाव दिया कि होली पर रंगों से बचने की इच्छा रखने वालों को मुस्लिम महिलाओं द्वारा पहने जाने वाले सिर के आवरण के समान तिरपाल का हिजाब पहनना चाहिए। अलीगढ़ में एक कार्यक्रम में बोलते हुए, श्रम और रोजगार मंत्री ने यह सलाह पुरुषों को भी दी, जिसमें कहा गया कि यदि वे अपनी टोपी और कपड़े साफ रखना चाहते हैं, तो उन्हें या तो तिरपाल का हिजाब पहनना चाहिए या घर के अंदर रहना चाहिए। सिंह ने कहा जो लोग होली के दौरान रंगों से बचना चाहते हैं, उन्हें खुद को तिरपाल से ढक लेना चाहिए, जैसे मुस्लिम महिलाएं हिजाब पहनती हैं। पुरुषों को भी अपनी टोपी और कपड़ों की सुरक्षा के लिए ऐसा ही करना चाहिए। अगर वे ऐसा नहीं कर सकते, तो उन्हें घर पर ही रहना चाहिए। मंत्री ने आगे चेतावनी दी कि होली के त्यौहार को बाधित करने का प्रयास करने वालों के पास सीमित विकल्प हैं। उन्होंने कहा, ऐसे लोगों के लिए तीन जगहें हैं, या तो वे जेल जाएं, राज्य छोड़ दें या यमराज (मृत्यु के देवता) से मिलने की तैयारी करें। सिंह ने कहा कि होली हर कीमत पर मनाई जाएगी, उन्होंने इसे आस्था का मामला बताया। सरकार ने आदेश दिया है कि होली मनाई जाएगी। यह सत्य युग, त्रेता युग और द्वापर युग से मनाया जाता रहा है और यह कलियुग में भी जारी रहेगा। सिंह ने होली के रंगों से कुछ लोगों के प्रभावित होने की चिंताओं को खारिज करते हुए कहा, अगर लोगों को आपत्ति है, तो उन्हें तिरपाल से बना एक अच्छी तरह से ढका हुआ हिजाब पहनना चाहिए। हम रंगों को 20 या 25 मीटर तक सीमित नहीं कर सकते हैं।

मुफ्त स्कीमों के वादों से बचेगी भाजपा? असम विधानसभा चुनाव से होगी नई शुरुआत

नई दिल्ली,(ए)। भाजपा अब चुनावों के दौरान मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त की रेवड़ियों को बांटने जैसी घोषणाओं (फ्रीबीज) पर ब्रेक लगाने की तैयारी में है। पार्टी ने इसके स्थान पर एक वैकल्पिक मॉडल तैयार किया है, जो सीधे कैश ट्रांसफर या अन्य छूट (नॉन परफॉर्मिंग एक्सपेंडिचर) की जगह राज्य की जीडीपी को गति देने वाले आर्थिक उपायों पर केंद्रित होगा। वैसे इसकी शुरुआत बिहार विधानसभा चुनाव से हो सकती थी, लेकिन इसे असम विधानसभा चुनाव तक के लिए रोक कर रखा गया है। दरअसल बताया जा रहा है कि मुफ्त की स्कीमों के वादे की बजाय इस नए मॉडल की शुरुआत 2026 में होने वाले असम विधानसभा चुनाव से होगी। भाजपा यह व्यवस्था उन्हीं राज्यों में लागू करेगी, जहां पार्टी खुद सरकार में है, मुख्य विपक्षी दल की भूमिका में है या जहां अपने दम पर चुनाव लड़ेगी।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना जंक्शन के पास पटना मेट्रो रेल परियोजना स्थल पर तीसरी टनल बोरिंग मशीन के सफल निर्माण का निरीक्षण किया.

बॉक्स ऑफिस पर दहाड़ रही विक्की कौशल की छावा, 700 करोड़ से चंद कदम दूर विक्की कौशल की फिल्म

भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब अपने नाम करके भारतवासियों का सीना गर्व से चौड़ा कर दिया. करोडों लोगों ने इस जीत का जश्न मनाया. लेकिन इसके बावजूद छावा बॉक्स ऑफिस पर छाई रही और दुनियाभर में फिल्म ने जबरदस्त कमाई की. वहीं इंडिया में छावा पहले ही 500 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है और फिल्म को थिएटर में एक महीना जल्द ही पूरा होने वाला है. लेकिन अभी भी छावा अपनी कमाई की रफ्तार को जारी रखते हुए आगे बढ़ रही है. मीडिया ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, विक्की कौशल स्टारर छावा ने भारत में 24वें दिन 11.05 करोड़ रुपये की कमाई की जो कि पिछले दिन से कम थी लेकिन औसत कमाई के हिसाब से यह आंकड़ा अच्छा है. 24वें दिन की कमाई के साथ ही छावा ने भारत में 520.55 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है. फिल्म का यह चौथा वीकेंड था और इसे रिलीज हुए एक महीना होने में अब कुछ ही दिन बचे हैं. लेकिन छावा की कमाई की रफ्तार बढ़ती ही जा रही है और फिल्म आगे भी कई रिकॉर्ड तोड़ने के लिए तैयार है. वैलेंटाइन डे के मौके पर रिलीज हुई विक्की कौशल, रश्मिका मंदाना और बॉबी देओल की छावा भारत के साथ ही दुनियाभर में भी ताबड़तोड़ कमाई कर रही है. सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने 23वें दिन वर्ल्डवाइड 691 करोड़ रुपये का आंकड़ा छू लिया फिलहाल 24वें दिन के आंकड़े आना बाकी हैं लेकिन उम्मीद के मुताबिक इसका आंकड़ा 700 करोड़ रुपये के पार हो जाएगा. 9 मार्च को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला गया जिसमें भारत विजेता बनकर उभरा. अंदाजा था कि छावा की कमाई पर इस मैच का असर हो सकता है लेकिन असल में कुछ खास असर नहीं दिखा. 23 वें दिन से कमाई में थोड़ी गिरावट दर्ज हुई लेकिन ओवरऑल फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन प्रदर्शन किया. छावा में विक्की कौशल ने छत्रपति संभाजी महाराज का किरदार निभाया है वहीं रश्मिका मंदाना ने उनकी पत्नी येसूबाई भोंसले और अक्षय खन्ना ने औरंगजेब का किरदार निभाया है. इनके अलावा फिल्म में आशुतोश राणा, विनीत कुमार, दिव्या दत्ता, डायना पेंटी के भी अहम किरदार हैं. फिल्म 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे के मौके पर रिलीज हुई थी और लगातार दर्शकों को थिएटर में खींचने तक सफल रही है. अब थिएटर में अगली बड़ी रिलीज सलमान खान की सिकंदर रिलीज होगी जो कि ईद पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी. तब तक छावा के लिए मैदान खाली है।

नितिन स्टारर रॉबिनहुड का तीसरा गाना आधि धा सरप्रिसु रिलीज, केतिका शर्मा के ग्लैमरस साथ शुरु हुआ फिल्म का प्रमोशन

नायक नितिन अभिनीत और वेंकी कुदुमुला द्वारा निर्देशित रॉबिनहुड के निर्माताओं ने बहुप्रतीक्षित तीसरा सिंगल आधी धा सरप्रिसु रिलीज़ कर दिया है। मैथरी मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित इस फ़िल्म में श्रीलीला मुख्य महिला कलाकार हैं। केतिका शर्मा के किरदार के इर्द-गिर्द कई आश्चर्यजनक और हास्यपूर्ण घटनाओं को दिखाने वाला यह गाना एक मज़ेदार मोड़ है। जीवी प्रकाश कुमार ने संक्रामक बीट्स के साथ एक उच्च-ऊर्जा वाला सामूहिक गीत प्रस्तुत किया है, और वीणा और नादस्वरम के जुड़ने से इसमें एक अनूठा, उत्तम दर्जे का स्पर्श भर गया है। केतिका शर्मा ने इस विशेष गीत में ग्लैमर और आकर्षण को सहजता से जोड़ते हुए, अपने आकर्षक चमेली ब्लाउज़ और उग्र नृत्य चालों के साथ इस गाने को एक दृश्य उपचार बना दिया है। उनका कामुक प्रदर्शन निश्चित रूप से डांस फ्लोर को गर्म कर देता है। नीति मोहन और अनुराग कुलकर्णी ने अपने जीवंत स्वरों से इस गाने को जीवंत कर दिया है, जबकि अकादमी पुरस्कार विजेता चंद्रबोस द्वारा लिखे गए विचित्र बोल इसके आकर्षण को और बढ़ा देते हैं।

साड़ी में कहर बरपाती दिखीं तमिल की हसीना यशिका आनंद

साउथ इंडस्ट्री की खूबसूरत अभिनेत्री यशिका आनंद अक्सर अपने हॉट और बोल्ड लुक्स से सोशल मीडिया पर सुर्ख़ियां बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है। भले ही एक्ट्रेस इन दिनों किसी फिल्म में नजर नहीं आ रही हैं, लेकिन आए दिन अपनी खूबसूरत फोटोज शेयर फैंस को अपने हुस्न का कायल बनाती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।एक्ट्रेस यशिका आनंद हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस यशिका आनंद ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।बता दें कि एक्ट्रेस यशिका आनंद जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक तस्वीर और वीडियोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए नहीं थकते हैं।हालिया शेयर की गई फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने लैवेंडर कलर की नेट लुक में साड़ी पहनी हुई है, जिसके सीक्वेन्स में उन्होंने स्लीवलेस ब्लाउज कैरी किया है।गले में नेकलेस, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस यशिका आनंद ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से कंप्लीट किया है। उनका ये कातिलाना अवतार इंटरनेट पर तबाही मचा रहा है। बता दें कि यशिका आनंद सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

जेलर 2 की शूटिंग शुरू, सामने आया थलाइवा रजनीकांत का खून से लथपथ दमदार लुक

साउथ सुपरस्टार रजनीकांत के फैंस के लिए गुड न्यूज है. जेलर मेकर्स ने फिल्म के पार्ट 2 की शूटिंग शुरू कर दी है. सुपरस्टार रजनीकांत की मुख्य भूमिका वाली बहुप्रतीक्षित एक्शन एंटरटेनर जेलर 2 के मेकर्स ने अनाउंसमेंट किया है कि फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है. मेकर्स ने इसके लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया है.जेलर के बाद निर्देशक नेल्सन दिलीप कुमार चेन्नई में जेलर 2 की शूटिंग शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. सन पिक्चर्स ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर जेलर 2 का पोस्टर साझा किया है और कैप्शन में लिखा है, मुथुवेल पंडियन की तलाश शुरू, जेलर 2 की शूटिंग आज से शुरू हो रही है. इस फिल्म में रजनीकांत अपनी भूमिका को फिर से निभाते हुए नजर आएंगे.रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग सबसे पहले चेन्नई में होने की संभावना है. इसके बाद फिल्म की शूटिंग गोवा और तमिलनाडु के थेनी समेत अन्य शहरों में होने की उम्मीद है. फिल्म का पहला शेड्यूल 15 दिनों में पूरा होने की संभावना है.सन पिक्चर्स निर्मित इस फिल्म में कलाकारों में नए कलाकार शामिल होंगे. ऐसी अफवाहें भी हैं कि कन्नड़ सुपरस्टार डॉ. शिवा राजकुमार और मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल जेलर 2 का हिस्सा होंगे। हालांकि, इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. जनवरी में मेकर्स ने जेलर 2 का प्रोमो जारी किया था. 4 मिनट के प्रोमो में रजनीकांत के निभाए गए टाइगर मुथुवेल पांडियन के किरदार की वापसी का खुलासा किया गया है. प्रोमो में थलाइवा एक्शन मोड में नजर आए हैं. जेलर 2, 2023 की ब्लॉकबस्टर तमिल फिल्म का सीक्वल है, जिसमें रजनीकांत मुख्य भूमिका में हैं. फिल्म को नेल्सन दिलीपकुमार ने लिखा और निर्देशित किया है. दिलीप ने पहले भाग का भी निर्देशन किया था. सुपरस्टार के साथ यह उनका दूसरा कोलैबोरेशन है।

राजकुमार राव की फिल्म मालिक में शामिल हुई हुमा कुरैशी

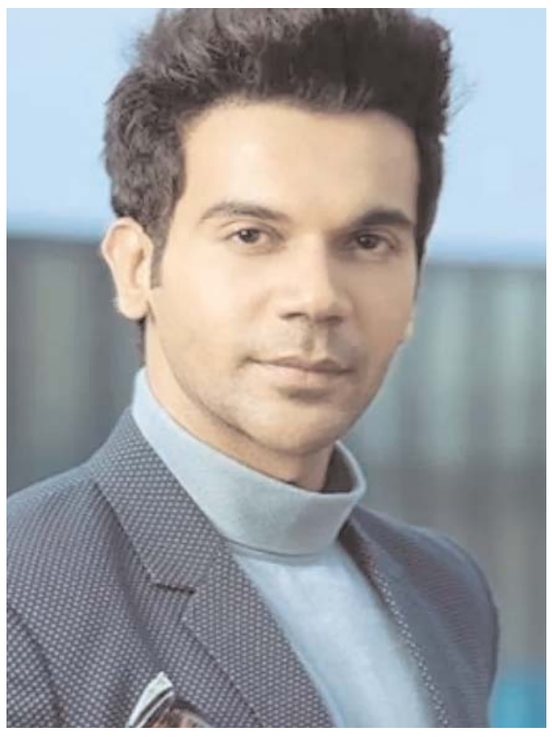

अभिनेता राजकुमार राव को पिछली बार फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में देखा गया था, जिसमें उनके काम की खूब तारीफ हुई। हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी।अब राजकुमार जल्द ही फिल्म मालिक के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे, जिसके निर्देशन की कमान पुलकित ने संभाली है।वह डेढ़ बीघा जमीन, बोस: डेड/अलाइव और भक्त जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं।अब मालिक में हुमा कुरैशी की एंट्री हो चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार, मालिक की स्टार कास्ट में हुमा शामिल हो गई हैं। इस फिल्म में वह मेहमान (कैमियो) भूमिका निभाती नजर आएंगी।कहा जा रहा है कि राजकुमार की फिल्म में हुमा एक खास गाने पर डांस करती दिखाई देंगी। अपने हिस्से की शूटिंग उन्होंने 2024 में कर ली थी।बता दें कि साल 2022 में आई फिल्म मोनिका ओ माय डार्लिंग के बाद मालिक राजकुमार और हुमा के बीच दूसरा सहयोग है।यह एक गैंगस्टर ड्रामा फिल्म होगी, जिसमें राजकुमार एक खूंखार गैंगस्टर की भूमिका में दिखने वाले हैं। फिल्म में उनका अनदेखा अवतार देखने को मिलेगा।फिल्म का निर्माण कुमार तौरानी ने टिप्स फिल्म्स के बैनर तले किया जा रहा है। यह फिल्म 20 जून, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। गौरतलब है कि इस एक्शन थ्रिलर फिल्म का पहला पोस्टर पिछले साल राजकुमार के 40वें जन्मदिन पर रिलीज किया गया था।

होली खेलने के बाद रंग हटाने के लिए अपनाएं ये नुस्खे, चुटकियों में साफ होगी त्वचा

होली एक ऐसा त्योहार है, जिसका बच्चों से लेकर बड़ों तक, सभी को इंतजार रहता है। रंगों से सराबोर यह पर्व भाईचारे का प्रतीक होता है।होली मनाते समय लोग एक-दूसरे को रंग और गुलाल लगाते हैं। ये रंग त्वचा पर चढ़ जाते हैं और आसानी से साफ नहीं होते। ऐसे में आप होली के रंग छुड़ाने के लिए ये घरेलू नुस्खे अपना सकते हैं। इनके जरिए आपकी त्वचा आसानी से साफ हो जाएगी और एक प्राकृतिक चमक भी मिलेगी।

दही और शहद मिलाकर लगाएं

होली खेलने के बाद सबसे पहले पानी और साबुन के जरिए त्वचा को साफ कर लें। इसके बाद अपने पूरे शरीर पर दही और शहद का पैक लगाएं, जो पक्के रंगों को भी साफ कर देगा।इस पैक को लगाकर कुछ देर सूख जाने दें, फिर हल्के हाथों से रगड़ते हुए पानी से साफ कर लें। यह पैक आपकी त्वचा को पोषण प्रदान करेगा, एक प्राकृतिक निखार देगा और रंगों के कारण होने वाले सूखेपन से भी छुटकारा दिलाएगा।

बेसन का उबटन इस्तेमाल करें

बचपन में जब हम होली खेलकर घर पहुंचते थे तो मम्मी हमारे शरीर पर उबटन रगड़ती थीं। इस प्राकृतिक लेप की मदद से सारा गुलाल और रंग उतर जाता था।आज भी यह नुस्खा उतना ही कारगर है। इसके लिए बेसन, आटे, गुलाब जल और हल्दी का घोल बनाएं और शरीर पर लगा लें।इसे धीरे-धीरे रगड़ते हुए साफ करें, ताकि आपकी त्वचा एक्सफोलिएट भी हो सके। उबटन मृत त्वचा को हटाते हुए रंगों को अच्छी तरह साफ कर देगा।

नारियल तेल भी आ सकता है काम

वैसे तो होली खेलने से पहले शरीर पर तेल जरूर लगा लेना चाहिए। हालांकि, अगर आप ऐसा करना भूल गए हैं तो रंग साफ करने के लिए नारियल तेल का इस्तेमाल करें।नारियल तेल को हल्का गुनगुना कर लें और चेहरे व शरीर पर लगा लें। इसे लगाने के बाद हल्के हाथों से मालिश करें, जिससे रंग छूटना शुरू हो जाएगा।इस तेल के जरिए रंगों के कारण होने वाली जलन को शांत करने में भी मदद मिल सकती है।

नींबू का रस होगा कारगर

नींबू का रस भी रंग साफ करने का एक अच्छा नुस्खा हो सकता है, जिसका कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं होता। इसके लिए एक कटोरी में नींबू निचोड़ें और उसमें एक चम्मच दही या शहद मिला दें।इस गाढ़े घोल को अपने चेहरे और शरीर पर लगाएं और कुछ देर के लिए सूख जाने दें। इसके बाद पानी के जरिए इसे साफ कर लें। आपको होली खेलने से पहले इन तरीकों से अपनी त्वचा का ख्याल रखना चाहिए।

सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर आएगी उत्कर्ष शर्मा-नाना पाटेकर की वनवास, 14 मार्च को जी5 पर होगी रिलीज

सनी देओल अभिनीत गदर मूवी फेम निर्देशक अनिल शर्मा बीते वर्ष दिसंबर में फैमिली ड्रामा फिल्म वनवास लेकर आए। इस फिल्म की शूटिंग वाराणसी में हुई है। पिता-पुत्र के रिश्ते पर बनी यह खूबसूरत फिल्म 20 दिसंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। किन्हीं कारणों से जो दर्शक इस फिल्म को थिएटर्स में नहीं देख सके, उनके पास अब इसे ओटीटी पर देखने का मौका है। फिल्म की ओटीटी रिलीज डेट का एलान हो गया है। दर्शक काफी वक्त से फिल्म वनवास की ओटीटी रिलीज का इंतजार कर रहे थे। आखिर उनका इंतजार पूरा हो गया है। अनिल शर्मा ने दर्शकों को होली का तोहफा दिया है। यह फिल्म होली के अवसर पर शुक्रवार 14 मार्च को रिलीज होगी। फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर देखी जा सकेगी। जी5 के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया गया है। इसके साथ लिखा है, जो पराये भी ना करें, अगर वो अपने कर जाएं तो अपने से बड़ा पराया कौन? फिल्म वनवास का प्रीमियर 14 मार्च को जी5 पर होगा। इस फिल्म में उत्कर्ष शर्मा लीड रोल में हैं। मालूम हो कि उत्कर्ष निर्देशक अनिल शर्मा के बेटे हैं, जिन्हें गदर 2 में देखा गया। वहीं, गदर: एक प्रेम कथा में वे बाल कलाकार के रूप में नजर आए थे। उनके अलावा सिमरत कौर और नाना पाटेकर जैसे कलाकार भी हैं।

डिजिटल स्क्रीन टाइम कम करने के लिए अपनाएं ये 5 आसान तरीके

आजकल की डिजिटल दुनिया में स्क्रीन टाइम का बढ़ना आम समस्या है। मोबाइल, लैपटॉप या टीवी, हम सभी का समय इन उपकरणों पर अधिक बीतता है।इनसे आंखों और मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। इसलिए स्क्रीन टाइम को नियंत्रित करना जरूरी है।इस लेख में हम आपको पांच सरल और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने डिजिटल स्क्रीन टाइम को आसानी से कम कर सकते हैं।

समय सीमा निर्धारित करें

स्क्रीन टाइम को नियंत्रित करने के लिए सबसे पहला कदम है कि एक समय सीमा तय करना।आप अपने दिनचर्या में कुछ खास घंटे निर्धारित कर सकते हैं जब आप केवल जरूरी कामों के लिए ही स्क्रीन का उपयोग करेंगे। उदाहरण के लिए सुबह उठने के बाद और रात को सोने से पहले एक निश्चित समय तक ही फोन या कंप्यूटर का इस्तेमाल करें। इससे आपकी आंखों को आराम मिलेगा और मानसिक तनाव भी कम होगा।

नोटिफिकेशन बंद करें

अक्सर हमारे फोन या कंप्यूटर पर आने वाले नोटिफिकेशन हमें बार-बार ध्यान भटकाते हैं, जिससे अनावश्यक रूप से स्क्रीन देखने की आदत बन जाती है। इन्हें बंद करके आप इस आदत से बच सकते हैं।सोशल मीडिया ऐप्स और अन्य गैर-जरूरी ऐप्स की नोटिफिकेशन बंद कर दें ताकि आपका ध्यान बार-बार न भटके और आप अपनी प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित कर सकें। यह तरीका आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद साबित हो सकता है।

ऑफलाइन एक्टिविटी बढ़ाएं

स्क्रीन टाइम कम करने के लिए ऑफलाइन गतिविधियों में हिस्सा लेना बहुत फायदेमंद होता है, जैसे कि किताब पढ़ना, पेंटिंग करना, बागवानी करना या दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताना आदि शामिल हो सकता है।ये गतिविधियां न केवल आपके दिमाग को तरोताजा करती हैं बल्कि आपको वास्तविक दुनिया से जुड़ने का मौका भी देती हैं।इसके अलावा ये आपको नई चीजें सीखने और अपनी रचनात्मकता को बढ़ाने का अवसर भी प्रदान करती है।

डिजिटल डिटॉक्स डे की योजना बनाएं

डिजिटल डिटॉक्स डे यानी ऐसा दिन जब आप पूरी तरह से डिजिटल उपकरणों से दूर रहें, यह आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है।सप्ताह में एक दिन ऐसा चुनें जब आप फोन, लैपटॉप या टीवी बिल्कुल न देखें और उस दिन सिर्फ खुद पर ध्यान दें। यह आपके मन-मस्तिष्क को शांत करेगा और आपको नई ऊर्जा देगा।

तकनीकी सहायता लें

आजकल कई ऐसे ऐप्स उपलब्ध हैं, जो आपके स्क्रीन टाइम को ट्रैक करते हैं और उसे नियंत्रित करने में मदद करते हैं।इनका उपयोग करके आप जान सकते हैं कि किस ऐप पर कितना समय व्यतीत हो रहा है और उसे कैसे सीमित किया जा सकता है।ये ऐप्स आपको रिमाइंडर भी देते रहते हैं ताकि आप अपनी तय सीमा पार न करें। इन तरीकों को अपनाकर आप आसानी से अपने डिजिटल स्क्रीन टाइम को नियंत्रित कर सकते हैं।

सैंटनर बोले रोहित को लेकर दबाव में थे हमारे गेंदबाज

दुबई (ए)। न्यूलीलैंड क्रिकेट टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। सैंटनर ने कहा है कि रोहित कुछ अवसरों पर असफल हो सकते हैं पर उनका अंदाज ऐसा है कि वह बडे अवसरों पर निर्णायक साबित होते हैं। सैंटनर के अनुसार खिताबी मुकाबले में उनकी टीम के खिलाड़ी रोहित के खेलने के अंदाज से शुरुआत में ही दबाव में आ गये थे। फाइनल में रोहित की शानदार बल्लेबाजी से भारतीय टीम को अच्छी शुरुआत मिली। रोहित ने फाइनल में में 41 गेंदों पर ही अर्धशतक लगा दिया। उन्होने 76 रनों की पारी खेली। वह इस मैच में अलग अंदाज में बल्लेबाजी करते दिखे।

रोहित ने सिर्फ अपना रवैय बदला और वह टीम के लिए बड़ी पारी खेलने में सफल हो गये। उन्होंने ये पारी तब खेली जब टीम को सबसे ज्यादा जरुतर थी। सैंटनर ने कहा कि उनका रवैया गेंदबाजों में डल पैदा करता है। वे स्वभाव से आक्रामक हैं और मुझे लगता है कि वह और शुभमन गिल अच्छी तरह से तालमेल बिठाते हैं। शुभमन गिल खराब गेंद का इंतजार करते हैं पर रोहित गेंदबाजों को उनती लेंथ से ही खेलकर खुश होते हैं। वो इंतजार नहीं करते और उनका डर हमारी टीम के गेंदबाजों में भी था।

सैंटनर ने साथ ही कहा कि रोहित जिस तरह से खेलते हैं उसके बाद आप कुछ बार असफल हो सकते हैं लेकिन जैसा कि उन्होंने फाइनल में हमारे खिलाफ खिलाफ धीमी पिच पर खेला। वह दिखाता है कि अगर आप अपनी टीम को इस प्रकार से शुरुआत देते हैं तो फिर आप मैच में खुद को आगे रख सकते हैं। पावरप्ले के दौरान जिस प्रकार के आक्रामण उन्होंने किये उससे मैच हमारे हाथ से फिसलने लगा था।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स 20 मार्च से शुरु होंगे

नई दिल्ली (ए)। खेलो इंडिया पैरा खेल 20 से 27 मार्च तक नई दिल्ली में आयोजित किये जाएंगे। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा है कि खेलो इंडिया पैरा गेम्स के इस दूसरे सत्र में इसमें करीब 1,230 पैरा एथलीट छह प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे। इन खेलों में पेरिस पैरालिंपिक और हांग्जो एशियाई पैरा खेल 2022 के विजेता खिलाड़ी भी शामिल रहेंगे। तय कार्यक्रम के अनुसार जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 21 से 26 मार्च तक पैरा एथलेटिक्स, पैरा तीरंदाजी और पैरा पावरलिफ्टिंग जैसी खेल प्रतियोगिताएं होंगी । इंदिरा गांधी स्टेडियम परिसर में पैरा बैडमिंटन और पैरा टेबल टेनिस स्पर्धाओं को भी रखा जाएगा। वहीं निशाने बाजी के मुकाबले डॉ. कर्णी सिंह निशानेबाजी रेंज में 21 से 25 मार्च तक होंगे।

हॉकी इंडिया 12 करोड़ रुपये के पुरस्कार बांटेगी

नई दिल्ली (ए)। अब भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ियों पर पैसा बरसेगा। हॉकी इंडिया ने अपने सातवें वार्षिक पुरस्कारों के लिए 12 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि देने की घोषणा की है। इसमें आठ श्रेणियों में 32 खिलाड़ियों को नामांकित किया गया है। वार्षिक पुरस्कार कार्यक्रम शनिवार को होगा। इमसें साल 2024 सत्र में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का सम्मान होगा।

पुरस्कार समारोह में प्रतिष्ठित बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को दिया जाएगा। ये सर्वश्रेष्ठ पुरुष और सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी को दिया जाएगा। इसके अलावा युवा खिलाड़ियों को भी पुरस्कार दिया जाएगा। जुगराज सिंह पुरस्कार वर्ष के उभरते हुए सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी जबकि असुंता लाकड़ा पुरस्कार वर्ष की उभरती हुई महिला खिलाड़ी को मिलेगा। इसके अलावा विभिन्न भूमिकाओं में व्यक्तिगत उत्कृष्टता के लिए भी पुरस्कार दिए जाएंगे। इसमें वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर के लिए बलजीत सिंह पुरस्कार, वर्ष के सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर के लिए परगट सिंह पुरस्कार, वर्ष के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर के लिए अजीत पाल सिंह पुरस्कार और वर्ष के सर्वश्रेष्ठ फारवर्ड के लिए धनराज पिल्ले पुरस्कार दिया जाएगा। इन खिलाड़ियों को मिलेगा पुरस्कार

सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर के लिए हॉकी इंडिया बलजीत सिंह पुरस्कार- बिचू देवी खारीबाम, कृष्ण बहादुर पाठक, पीआर श्रीजेश, सविता

सर्वश्रेष्ठ फारवर्ड के लिए हॉकी इंडिया धनराज पिल्लै पुरस्कार- लालरेम्सियामी, अभिषेक, सुखजीत सिंह, नवनीत कौर।

सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर के लिए हॉकी इंडिया परगट सिंह पुरस्कार- संजय, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, उदिता।

के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर के लिए हॉकी इंडिया अजीत पाल सिंह पुरस्कार, जरमनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, नीलाकांता शर्मा, सुमित।

हरियाणा का सीनियर महिला राष्ट्रीय हॉकी के फाइनल में झारखंड से मुकाबला

पंचकूला, (आरएनएस)। हॉकी हरियाणा और हॉकी झारखंड ने सोमवार को यहां 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 - डिवीजन ए में अपने-अपने रोमांचक सेमीफाइनल में विपरीत अंदाज में जीत हासिल की। डिवीजन ए के पहले सेमीफाइनल मैच में हॉकी हरियाणा ने हॉकी मिजोरम को 4-0 से हराया। सोनम (41), मोनिका (42), मनीषा (47) और कप्तान रानी (57) ने हॉकी मिजोरम के मजबूत डिफेंस के बाद एक-एक गोल करके बुधवार को अंतिम मुकाबले के लिए अपनी जगह पक्की की।डिवीजन ए के दूसरे सेमीफाइनल मैच में हॉकी महाराष्ट्र और हॉकी झारखंड दोनों ने अंतिम सीटी बजने तक एक-दूसरे को गोल करने से रोकने के लिए शानदार कौशल दिखाया और मैच 0-0 पर समाप्त हुआ। इसके बाद टूर्नामेंट के अन्य फाइनलिस्ट का पता लगाने के लिए शूटआउट का सहारा लिया गया और हॉकी झारखंड ने करीबी मुकाबले में 3-2 (शूटआउट) से जीत हासिल की। हॉकी महाराष्ट्र के लिए काजल सदाशिव अटपडकर और प्रीति ने गोल किए, जबकि हॉकी झारखंड के लिए रजनी केरकेट्टा, कप्तान अलबेला रानी टोप्पो और शम्मी बारा ने गोल करके हॉकी हरियाणा के खिलाफ फाइनल में जगह पक्की की।

बुधवार को हॉकी मिजोरम तीसरे-चौथे स्थान के लिए हॉकी महाराष्ट्र से खेलेगा, जबकि हॉकी हरियाणा फाइनल में हॉकी झारखंड से भिड़ेगा।

अल्काराज ने एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में लगातार 14वां मैच जीता

इंडियन वेल्स (आरएनएस)। कार्लोस अल्काराज ने एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में अपना लगातार 14वां मैच जीता, जब उन्होंने मंगलवार (भारतीय समयानुसार) को इंडियन वेल्स ओपन के चौथे दौर में जगह बनाने के लिए डेनिस शापोवालोव को 6-2, 6-4 से हराया।

दो बार के गत विजेता अल्काराज ने अपने 14 मैचों की जीत के क्रम में सिर्फ दो सेट गंवाए हैं। एटीपी स्टैट्स के अनुसार, उन्होंने अपने सामने आए चार ब्रेक पॉइंट में से तीन को बचाया और अपने आठ अवसरों में से चार को भुनाया।

शापोवालोव ने इस सत्र में 10-4 के प्रभावशाली रिकॉर्ड के साथ टूर्नामेंट में प्रवेश किया, जिसमें फरवरी में डलास में अपना पहला एटीपी 500 खिताब जीतना भी शामिल है। फिर भी अल्काराज ने पूरी कमान संभाली और सिर्फ छह गेम हारकर 83 मिनट में कनाडाई खिलाड़ी को हराया।

अल्काराज ने जल्द ही 5-0 की बढ़त ले ली। हालांकि शापोवालोव ने अपनी लय पाई , लेकिन हाल ही में डलास ओपन चैंपियन विजेता को कभी भी मुश्किल में नहीं डाल पाया और टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा वरीयता प्राप्त खिलाड़ी एक घंटे और 24 मिनट में आगे बढ़ गया। एटीपी की रिपोर्ट के अनुसार अल्काराज ने कहा, मुझे पता है कि उसने सीजन की शुरुआत बहुत मजबूती से की, डलास में खिताब के साथ वास्तव में अच्छा टेनिस दिखाया, अकापुल्को में अच्छा टेनिस खेला, इसलिए मुझे पता था कि मुझे मैच की शुरुआत वास्तव में मज़बूती से करनी होगी, वास्तव में अपनी चीजों पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

उन्होंने कहा, अच्छी टेनिस खेलने की कोशिश करो, शुरुआत में अच्छी रैलियां करो ताकि अच्छी गति मिल सके, मैच में आ सकूं। मैंने देखा कि यह वास्तव में एक अच्छा और कठिन मुकाबला होने वाला था, इसलिए जिस तरह से मैंने मैच की शुरुआत की, उससे मैं वास्तव में बहुत खुश हूं।

अपनी छठी एटीपी मास्टर्स 1000 ट्रॉफी जीतने की कोशिश कर रहे दूसरी वरीयता प्राप्त स्पेनिश खिलाड़ी का अगला मुकाबला 14वीं वरीयता प्राप्त ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा।

बचपन से ही मेरा एक ही सपना था कि मैं भारत के लिए खेलूं: ऋषभ पंत

नई दिल्ली, (आरएनएस)। दुबई में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद, भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने खुलासा किया कि बचपन से ही उनका एक ही सपना था कि वे भारत के लिए खेलें, जो कड़ी मेहनत और लगन के बाद 2017 में साकार हुआ। भारत की चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे पंत को टूर्नामेंट में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला, क्योंकि केएल राहुल को उनसे आगे चुना गया था।हालांकि, पंत आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन में अपनी नई फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) की अगुआई करने के लिए तैयार हैं। पिछले साल की मेगा नीलामी में उन्हें फ्रेंचाइजी ने रिकॉर्ड तोड़ 27 करोड़ रुपये में खरीदा था।पंत ने जियो हॉटस्टार पर कहा, बचपन से ही मेरा एक ही सपना था - भारत के लिए खेलना। मैंने कभी आईपीएल में खेलने के बारे में सोचा भी नहीं था। मुझे लगता है कि आज लोग आईपीएल पर ज्यादा ध्यान देते हैं। बेशक, यह एक बेहतरीन प्लेटफ़ॉर्म है, लेकिन मेरा मानना है कि अगर आपका लक्ष्य अपने देश के लिए खेलना है, तो बाकी सब कुछ - जिसमें आईपीएल भी शामिल है - आखिरकार अपने आप ठीक हो जाएगा। अगर आपकी सोच बड़ी है, तो सफलता आपके पीछे-पीछे आएगी। मुझे हमेशा से लगता था कि मैं एक दिन भारत के लिए खेलूंगा और भगवान ने मेरी मेहरबानी की। 18 साल की उम्र में मुझे डेब्यू करने का मौका मिला और मैं इसके लिए आभारी हूं।पंत अपने पावर-हिटिंग कौशल के अलावा अपने अपरंपरागत शॉट-मेकिंग कौशल के लिए भी जाने जाते हैं, जिसके बारे में उनका कहना है कि यह उन्हें स्वाभाविक रूप से आता है। विकेटकीपर ने कहा, पहले, बहुत से खिलाड़ी ये शॉट खेलते थे।

ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड 150वीं टेस्ट वर्षगांठ मनाने एमसीजी में ऐतिहासिक डे-नाइट मैच खेलेंगे

मेलबर्न, (आरएनएस)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड टेस्ट क्रिकेट की 150वीं वर्षगांठ मनाने के लिए मार्च 2027 में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में डे-नाइट टेस्ट खेलेंगे, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। बयान में कहा गया, 11-15 मार्च, 2027 को 150वीं वर्षगांठ का टेस्ट मैच पहली बार होगा, जब ऑस्ट्रेलियाई पुरुष एमसीजी में रोशनी में टेस्ट खेलेंगे, जहां 1877 में पहला टेस्ट मैच और 1977 में शताब्दी टेस्ट खेला गया था - उल्लेखनीय रूप से, दोनों ही मैच ऑस्ट्रेलिया ने 45 रनों से जीते थे। एमसीजी में पहला डे-नाइट पुरुष टेस्ट मैच होगा, जो इस साल की शुरुआत में एमसीजी में ऐतिहासिक पहले डे-नाइट टेस्ट के बाद होगा, जहां ऑस्ट्रेलिया की महिलाओं ने एशेज में क्लीन स्वीप किया था। सीए ने इस बात पर जोर दिया कि टेस्ट को दिन-रात के मैच के रूप में आयोजित किया जाए, जिससे अधिक लोग 150वीं वर्षगांठ टेस्ट देखने के लिए आ सकें, क्योंकि यह स्कूल की छुट्टियों के समय के बाहर खेला जाएगा। एमसीजी में 150वीं वर्षगांठ टेस्ट क्रिकेट के महान आयोजनों में से एक होगा और रोशनी में खेलना हमारे खेल की समृद्ध विरासत और टेस्ट क्रिकेट के आधुनिक विकास का जश्न मनाने का एक शानदार तरीका होगा।

पोप फ्रांसिस की सेहत में सुधार, डॉक्टरों ने कहा- जान को कोई खतरा नहीं

वेटिकन सिटी,(आरएनएस)। वेटिकन ने बताया कि पोप फ्रांसिस के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। डॉक्टरों का कहना है कि उनकी सेहत में सुधार हो रहा है और जान को कोई खतरा नहीं है।वेटिकन ने पोप फ्रांसिस की हेल्थ के बारे में बताया कि 88 वर्षीय पोप फ्रांसिस को जल्द ही अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है। हालांकि, उनकी स्थिति अभी भी जटिल है।

वेटिकन ने एक बयान में कहा, होली फादर की चिकित्सा स्थितियां अभी भी स्थिर बनी हुई है।बयान में कहा गया है कि पिछले दिनों में जो सुधार हुए थे, वे अब और बेहतर हो गए हैं, जैसा कि खून के टेस्ट, डॉक्टर की जांच और दवाइयों के अच्छे असर से साबित हुआ है।डॉक्टरों ने सलाह दी है कि पोप फ्रांसिस अपना इलाज पूरा करने के लिए कुछ और दिनों के लिए चिकित्सा निगरानी में रहें, क्योंकि उनकी स्थिति जटिल है और उन्हें अस्पताल में भर्ती होने के समय गंभीर संक्रमण था।पोप फ्रांसिस की तबीयत में सुधार हो रहा है और वह अपने इलाज के दौरान शारीरिक तथा सांस संबंधी चिकित्सा से गुजर रहे हैं। वे रात में ऑक्सीजन मास्क और दिन में हाई-फ्लो ऑक्सीजन कैनुला का उपयोग करते हैं।हालांकि, पोप ने अपने प्रवेश के बाद से कोई सार्वजनिक उपस्थिति नहीं दिखाई है, लेकिन वे वीडियो लिंक के माध्यम से वेटिकन की प्रार्थनाओं का पालन करते हैं।

पिछले सप्ताह पोप ने एक ऑडियो संदेश भी रिकॉर्ड किया, जिसमें उन्होंने अपने स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना और समर्थन करने वालों के प्रति आभार व्यक्त किया।लगातार चार रविवार तक अपनी एंजेल्स प्रार्थना में शामिल नहीं होने के बावजूद पोप फ्रांसिस ने अपनी चिकित्सा टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए एक संदेश साझा किया।

उन्होंने लिखा, मैं भी सेवा की सोच और देखभाल की कोमलता का अनुभव करता हूं, विशेष रूप से डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं।

10 साल के बेटे के ऊपर बैठ गई 154 किलो की मां, तड़प-तड़प कर हुई मौत

वाशिंगटन (आरएनएस)। अमेरिका में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक मां ने अपने बच्चे को दर्दनाक मौत दी। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है।मां ने अपने बच्चे को इस तरह मारा कि हर किसी की रूह कांप गई। 150 किलो से ज्यादा वजनी महिला अपने 10 साल के बेटे के उपर बैठ गई। खबर है कि महिला फॉस्टर यानी बच्चे की पालक मां थी। वहीं, महिला ने भी बच्चे के ऊपर बैठने की बात स्वीकार की है। 10 साल के बच्चे की पहचान डकोटा लिवाई स्टीवन्स के तौर पर हुई है। वह इंडियाना का रहने वाला था। वहीं, महिला की पहचान 48 साल की जेनिफर ली विल्सन बताई जा रही है, जिसका वजन करीब 154 किलो है। वह कथित तौर पर बच्चे पर यह सोचकर बैठ गई थीं कि वह परेशानी में होने का नाटक कर रहा है। विल्सन को 6 साल की जेल हुई है। घटना 25 अप्रैल 2023 की है। तब पुलिस को विल्सन के घर पर स्टीवन मिला था। तब वह बेहोश था। जांच में अधिकारियों को उसकी गर्दन और सीने पर चोट के निशान मिले। लड़के ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, विल्सन ने जांच अधिकारियों को बताया है कि लड़का घर से भाग कर पड़ोसी के पास पहुंच गया था।उसका दावा है कि जब लड़के को वापस लाया गया, तब भी वह बुरा बर्ताव कर रहा था और घर छोड़ने की कोशिश कर रहा था। महिला ने स्वीकार किया है कि वह लड़के पर करीब 5 मिनट तक बैठी रहीं। उस दौरान उन्हें लगा कि लड़का नाटक कर रहा है, लेकिन जब उसने जवाब नहीं दिया तो महिला ने सीपीआर की कोशिश की और पुलिस को खबर की। महिला ने कोर्ट को बताया है कि वह सिर्फ लड़के को घर छोड़ने से जाने से रोकना चाहती थीं।

धरती पर लौटने के बाद भी सुनीता नहीं जा सकेंगी घर,कई टेस्टों से गुजरना होगा

-अंतरिक्ष से लौटने के बाद धरती की ग्रेविटी में खुद को ढालना आसान नहीं

वाशिंगटन, (ए)। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में बीते करीब 9 महीने से फंसी सुनीती विलियम्स और बेरी विलमोर जल्द लौटने वाले है। बोइंग के स्टारलाइनर से दोनों अंतरिक्षयात्री केवल 10 दिनों के टूर पर गए थे। हालांकि उनके यान में खराबी आ जाने से वे अब तक लौट ही नहीं पाए। अब नासा ने कहा है कि अगले सप्ताह ही स्पेसएक्स ड्रैगन लॉन्च किया जाएगा।

अधिकारियों का कहना है कि सुनीता और विलमोर 16 मार्च तक धरती पर लौट आएंगे। हालांकि सुनीता विलियम्स का कहना है कि इतने दिन अंतरिक्ष में बिताने के बाद अब उनके लिए धरती पर अजस्ट करना आसान नहीं है। धरती पर चलना उनके लिए कांटों पर चलने के जैसा होगा। उन्होंने कहा कि अब तो मैं चलना भी भूल गई हूं। अंतरिक्ष स्टेशन में गुरुत्वाकर्षण ना होने की वजह से

उन्हें चलना नहीं पड़ता। अंतरिक्ष में रहना धरती पर रहने से बहुत अलग हैं। अंतरिक्ष से लौटने के बाद धरती की ग्रेविटी के हिसाब से खुद को ढालना भी आसान नहीं है। वहीं अंतरिक्ष से कई वायरस और बैक्टीरिया के भी आने का खतरा रहता है।धरती पर लौटने के बाद भी सुनीता घर नहीं जा पाएंगे। पहले उनके टेस्ट किए जाएंगे और फिर इलाज किया जाएगा। डॉक्टरों का कहना है कि अंतरिक्ष से वापस आने के बाद उनके शरीर में ताकत नहीं रहती है। ऐसे में ग्रेविटी में फिर से ताकत हासिल करने में डेढ़ महीने का समय लग सकता है। फिर से सारे टेस्ट करने के बाद ही उन्हें घर जाने की इजाजत दी जा सकती है। जानकारों का कहना है कि अंतरिक्षयात्रियों को कई तरह की गंभीर बीमारियों का भी खतरा रहता है। तेज ब्रह्मांडीय विकिरण की वजह से कई बार अंतरिक्षयात्रियों के शरीर के गहराई तक प्रभाव पड़ता है जो कि कैंसर का कारण बन सकता है जिस तरह से अंतरिक्ष में जाने के बाद सुनीता को कुछ दिनों तक शरीर को ढालने में परेशानी का सामना करना पड़ा था, वही दिक्कत धरती पर लौटने के बाद भी हो सकती हैं। अंतरिक्ष में हार्ट और लंग्स को भी मेहनत कम पड़ती है।

हूती नेता ने इजरायल के जहाजों पर फिर से हमला करने की दी धमकी

सना ,(आरएनएस)। यमन के हूती नेता अब्दुल मलिक अल-हूती ने ऐलान किया है कि अगर मानवीय सहायता चार दिन की समय-सीमा के भीतर गाजा नहीं पहुंचती है, तो उनका समूह इजरायल से जुड़े जहाजों के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू कर सकता है।

अब्दुल मलिक अल-हूती ने सोमवार को समूह के अल-मसीरा टीवी चैनल पर एक टेलीविजन भाषण में इस बात का ऐलान किया। उन्होंने कहा, हम गाजा पट्टी में मदद भेजने के लिए अपनी तय की गई समय सीमा पर कायम हैं और हमारे सशस्त्र बल अभियान चलाने के लिए तैयार हैं।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, हूती नेता ने पहले इजराइल और हमास के बीच मध्यस्थों को चार दिन का अल्टीमेटम दिया था, ताकि गाजा में सहायता पहुंचाने का काम फिर से शुरू किया जा सके। हूती नेता का यह अल्टीमेटम मंगलवार को समाप्त होने वाला है।

राजधानी सना सहित उत्तरी यमन के अधिकांश हिस्से पर नियंत्रण रखने वाले हूती समूह ने नवंबर 2023 से लाल सागर और इजरायली शहरों में इजरायल से जुड़े जहाजों पर ड्रोन और रॉकेट हमले किए हैं। उन्होंने इजरायल-हमास संघर्ष के बीच फिलिस्तीनियों के समर्थन में ये हमले किए हैं।

सऊदी अरब में वार्ता से पहले मॉस्को में हमला, रूस का दावा- यूक्रेन ने किया ड्रोन अटैक

मॉस्को, (आरएनएस)। यूक्रेन ने मंगलवार को रूसी राजधानी पर अपना सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रूस में कुल 337 यूक्रेनी ड्रोन गिराए गए। 91 ड्रोन मॉस्को क्षेत्र में गिराए गए जबकि और 126 कुर्स्क क्षेत्र में गिराए गए, जहां से यूक्रेनी सेनाएं पीछे हट रही हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ड्रोन अटैक में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई, एयरपोर्ट बंद हो गए और दर्जनों उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा। यह बड़ा ड्रोन हमला ऐसे समय में हुआ है, जब यूक्रेनी अधिकारियों का एक दल तीन वर्ष पुराने युद्ध में संभावित शांति वार्ता के लिए आधार तलाशने के लिए सऊदी अरब में अमेरिकी दल से मिलने की तैयारी कर रहा है। वहीं रूसी सेना पश्चिमी रूसी क्षेत्र कुर्स्क में हजारों यूक्रेनी सैनिकों को घेरने की कोशिश कर रही है। बता दें पिछले साल अगस्त में हजारों यूक्रेनी सैनिकों ने रूस के कुर्स्क क्षेत्र के लगभग 1,300 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर कब्जा कर लिया था। रूस को हाल के दिनों में क्षेत्र में कुछ कामयाबी मिली है।

मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने कहा कि हवाई सुरक्षा अभी भी शहर पर हमलों को रोक रही है। उन्होंने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा, मॉस्को पर दुश्मन के यूएवी (मानव रहित हवाई वाहनों) के सबसे बड़े हमले को नाकाम कर दिया गया है। रूस की राजधानी और आस-पास के क्षेत्र की आबादी कम से कम 21 मिलियन है। यह यूरोप के सबसे बड़े महानगरीय क्षेत्रों में से एक है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मॉस्को क्षेत्र के गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव ने कहा कि कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। उन्होंने एक क्षतिग्रस्त अपार्टमेंट की तस्वीर पोस्ट की, जिसकी खिड़कियां हमले में उड़ गई थीं। वोरोब्योव ने कहा कि कुछ लोगों को क्रेमलिन से लगभग 50 किमी (31 मील) दक्षिण-पूर्व में मॉस्को क्षेत्र के रामेंस्कोय जिले में एक बहुमंजिला इमारत खाली करने के लिए मजबूर होना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मॉस्को में दहशत का कोई संकेत नहीं था, यात्री सेंट्रल मॉस्को में सामान्य रूप से काम पर जाते देखे गए। रूस के विमानन निगरानीकर्ता ने कहा कि हमलों के बाद हवाई सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मास्को के सभी चार हवाई अड्डों पर उड़ानें निलंबित कर दी गई हैं। मास्को के पूर्व में यारोस्लाव और निजनी नोवगोरोड क्षेत्रों में दो अन्य हवाई अड्डे भी बंद कर दिए गए हैं।

एलन मस्क ने एक्स पर हुए साइबर हमले के तार यूक्रेन से जुड़े होने के दिए संकेत

न्यूयॉर्क (आरएनएस)। अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने संकेत दिए हैं कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हाल में हुए साइबर हमले के तार यूक्रेन से जुड़े हो सकते हैं। इस साइबर हमले के कारण एक्स पर एक बड़ा ग्लोबल आउटेज हुआ था।

भारत सहित यूरोप, उत्तरी अमेरिका और एशिया के लाखों यूजर्स सोमवार को लंबे समय तक माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म को एक्सेस नहीं कर पा रहे थे। आउटेज ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म डाउनडिटेक्टर के अनुसार, एक्स आउटेज दोपहर 3 बजे पीक पर था।

मीडिया से बात करते हुए एक्स के मालिक मस्क ने आरोप लगाया कि साइबर अटैक के डिजिटल ट्रेस यूक्रेन से उत्पन्न हुए थे।फॉक्स न्यूज के साथ एक इंटरव्यू में मस्क ने कहा, हमें ठीक से पता नहीं है कि क्या हुआ था, लेकिन यह यूक्रेन एरिया से उत्पन्न आईपी एड्रेस के साथ एक्स सिस्टम को डाउन करने की कोशिश के साथ एक बड़ा साइबर अटैक था।डाउनटाइम के दौरान, एक्स ने पूरी तरह से काम करना बंद कर दिया था और 40 हजार से ज्यादा यूजर्स को कनेक्टिविटी की समस्या का सामना करना पड़ा और वे पोस्ट करने या प्लेटफॉर्म पर पेज खोलने में भी असमर्थ थे।एक्स पर साइबर हमले के रूप में आउटेज की पुष्टि करते हुए मस्क ने सोमवार को कहा था कि वे उन लोगों का पता लगाएंगे जो इस हमले के पीछे हैं।टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ ने एक पोस्ट में कहा, हम पर हर दिन अटैक होता है, लेकिन यह बहुत सारे रिसोर्स के साथ किया गया था। अटैक या तो एक बड़े कॉर्डिनेटेड ग्रुप या किसी देश की ओर से किया गया, हम पता लगा रहे हैं।

जिस बेटे को उंगली पकड़ कर चलना सिखया, आज वही मुझे उंगली दिखाता है

जिस बूढे पिता का सहारा बनना था, बेटे ने उसे ही बेसहारा छोड़ दिया

कलेक्टर ने माता-पिता भरण पोषण अधिनियम के तहत एसडीएम को कार्रवाई के दिए निर्देश

सीहोर(निप्र)। जिस बेटे को मैंने उंगली पकड़कर चलना सिखाया, वही बेटा आज मुझे उंगली दिखाता है। हर बाप की तरह मेरी भी उम्मीद थी कि बेटा मेरे बुढ़ापे की लाठी बनेगा, लेकिन बेटे ने तो अपने हाथ में लाठी लेकर मुझे ही घर से निकाल कर बेसहारा कर दिया। यह दर्द भरी दास्तां इछावर नगर के वार्ड नम्बर 12 निवासी श्री देवीसिंह ने जनसुनवाई में कलेक्टर बालागुरू के. को सुनाई। कलेक्टर बालागुरू के ने पहले बुजुर्ग देवीसिंह को बैठाया, उनकी पूरी बात सुनी और इछावर एसडीएम जमील खान को तुरंत वीसी के माध्यम से माता-पिता भरण पोषण अधिनियम के तहत कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर बालागुरू के तथा सीईओ जिला पंचायत डॉ नेहा जैन ने जिले भर से आए 90 नागरिकों की सुनवाई की और निराकरण के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। जिला मुख्यालय के साथ ही जनपद कार्यालयों एवं ग्राम पंचायतों में भी जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में अधिकांश आवेदन भूमि विवाद, नामांतरण, बंटवारा, आपसी विवाद, मेढ.-रास्ता विवाद, बीपीएल कार्ड, प्रधानमंत्री आवास, गन लाइसेंस, सेवनिवृत्ति उपरांत मिलने वाले लाभ से संबधित, फर्जी तरीके से गाड़ी विक्रय करने से संबधित आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई में संयुक्त कलेक्टर सुश्री वंदना राजपूत, आनंद सिंह राजावत, एसडीएम तन्मय वर्मा सहित सभी विभागों के जिलाधिकारी उपस्थित थे।

बुजुर्ग ने कलेक्टर से लगाई वृद्धावस्था पेंशन दिलाने की गुहार

जनसुनवाई में आष्टा तहसील के ग्राम उदयपुर निवासी बुजुर्ग बाबूदास बैरागी ने कलेक्टर बालागुरू के से वृद्धावस्था पेंशन दिलाने की गुहार लगाई है। बुजुर्ग बाबूदास ने कलेक्टर बालागुरू के से कहा कि मेरी और मेरी पत्नी की देखभाल के लिए हमारी कोई संतान नहीं है। मैंने वृद्धा पेंशन के लिये 08 माह पहले पंचायत के सचिव को वृद्धा पेंशन के लिए आवेदन दिया था, पर अभी तक मेरी पेंशन चालू नही हुई है। कलेक्टर बालागुरू के ने संबंधित अधिकारियों को इस मामले में त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

मकान के मुआवजे का आवेदन लेकर पहुंचा आवेदक

जनसुनवाई में अपना आवेदन प्रस्तुत करते हुए जावर तहसील के ग्राम केशवपुर निवासी उमरांव सिंह कलेक्टर बालागुरू के को बताया कि कान्याखेड़ी सिंचाई परियोजना अंतर्गत उनका मकान डूब क्षेत्र में जा रहा हैं तथा शासन द्वारा किए गए सर्वे में उनका मकान किसी कारणवश सर्वे से छूट गया है। उमरांव सिंह ने कलेक्टर बालागुरू के से मकान का सर्वे कराने एवं मकान का उचित मुआवजा दिलाने की गुहार लगाई है। कलेक्टर बालागुरू के ने संबंधित अधिकारियों को इस मामले में त्वरित कार्यवाही कराने के निर्देश दिए हैं।

त्यौहारों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

सीहोर(निप्र)। कलेक्टर बालागुरू के की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कलेक्टर बालागुरू ने तहसीलवार तथा अनुभागवार राजस्व संबंधी कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने राजस्व वसूली, आरसीएमएस, नामान्तरण, बंटवारा, सीमांकन फार्मर राजिस्ट्री की विस्तार से समीक्षा की। इसके साथ ही उन्होंने होली, रमजान सहित सभी पर्वों पर पुलिस के साथ संयुक्त रूप से भ्रमण करने तथा कानून व्यवस्था बनाये रखने के अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर बालागुरू के ने राजस्व अधिकारियों से कहा कि राजस्व विभाग के मूल कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाये। राजस्व अधिकारी अपने न्यायालयों में प्रकरणों की नियमित सुनवाई कर राजस्व संबंधी लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता पर निराकृत करायें। बैठक में अपर कलेक्टर वृंदावन सिंह, संयुक्त कलेक्टर नितिन टाले, सुश्री वंदना राजपूत, आनंद सिंह राजावत, एसडीएम जमील खान, तन्यम वर्मा सहित सभी तहसीलदार उपस्थित थे। इसके साथ ही अन्य अधिकारी वीसी के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। कलेक्टर बालागुरू के ने सभी राजस्व अधिकारियों को राजस्व वसूली के कार्य में गति लाने के निर्देश दिए ताकि वित्तीय वर्ष के राजस्व संग्रह के लक्ष्य को पूरा किया जा सके। उन्होंने सभी बड़े बकायादारों को चिन्हित कर राजस्व वसूली के लिए नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व अधिकारी बकाये की वसूली के लिए संपत्ति की कुर्की भी कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री स्वनिधी योजना से सुनील ने फिर से शुरु की अपनी नमकीन की दुकान

सीहोर (निप्र)। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा गरीबों के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। प्रधानमंत्री स्वनिधी योजना भी उन्ही योजनाओं में से एक है। इस योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर लोगो, छोटे व्यापारियों और रेहड़ी, ठेले वालों तथा फुटपाथ पर व्यवसाय करने वाले व्यक्तियों को सरकार द्वारा 10 हजार रूपये से 50 हजार रुपये तक का लोन दिया जाता है। सीहोर जिले के जावर निवासी सुनील भावसार भी उन हितग्राहियों में से एक हैं, जिन्हें प्रधानमंत्री स्वनिधी योजना का लाभ मिला है। सुनील कहते हैं कि मैं पिछले 15 वर्षों से नमकीन की दुकान चलाकर अपनी एवं अपने परिवार की आजीविका चला रहा था, पर कोविड-19 महामारी के दौरान लॉकडाउन लगने के कारण मेरी दुकान बंद हो गई। इस

खेल प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने दिखाए जौहर, दिखाई अपनी प्रतिभा

सीहोर (निप्र)। वार्षिक स्नेह सम्मेलन के अंतर्गत प्राचार्य डॉ. रोहिताश्व कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में क्रीड़ा अधिकारी रवि स्वरूप बिरहा ने एकदिवसीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन पीजी कॉलेज के खेलकूद प्रांगण में किया गया। खेल प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इस अवसर पर खेल प्रतियोगिताओं में विभिन्न प्रतियोगिताओं 100, 200, 400 मीटर दौड़ पुरुष एवं महिला वर्ग, गोला फेंक, लंबी कूद, रस्साकशी इत्यादि का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के विभिन्न संकाय के विद्यार्थियों ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इसके साथ ही शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ के बीच क्रिकेट प्रतियोगिता पुरुष वर्ग का भी आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय कवि संगम जिला सीहोर के बैनर तले कवि,पत्रकार, अभिनेता लक्ष्मण सिंह चौकसे के जन्मदिन पर विचार एवं काव्य गोष्ठी संपन्न

सभी सनातनियों का जन्मदिन दीप जलाकर और तिलक लगाकर मनाए-कथावाचक पंडित मोहित राम पाठक

सीहोर (निप्र)। स्थानीय माधव महाकाल आरोग्य आश्रम के कथा हाल में राष्ट्रीय कवि संगम , सीहोर के बैनर तले आश्रम परिवार द्वारा विचार एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें कवि लक्ष्मण सिंह चौकसे का जन्मदिन शाल, श्रीफल और प्रतीक चिन्ह भेंट कर मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी प्रदीप साबू ने की मुख्य अतिथि कथावाचक पंडित मोहित राम जी पाठक रहे ।विशेष अतिथि के रूप में जितेंद्र तिवारी ,हीरालाल शर्मा , विनोद पंसारी रहे। सरस्वती वंदना गीतकार जोरावर सिंह ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विजेंद्र जायसवाल ने किया । मुख्य अतिथि पंडित मोहित राम जी पाठक ने कहा कि हर सनातनी के मस्तक पर तिलक होना चाहिए ।सभी साहित्यकारों को भगवा अंगवस्त्र उड़ाकर आश्रम परिवार ने स्वागत किया। वहीं विशिष्ट अतिथि जितेंद्र तिवारी जी ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि संतों के सानिध्य में हमारे साथी का जन्म उत्सव मनाया जा रहा है । मुख्य अतिथि प्रदीप साबू ने कहा कि संतों का आशीर्वाद सदा मिलता रहे यही ईश्वर से प्रार्थना करते हैं। कवि लक्ष्मण सिंह चौकसे ने कहा कि जन्मदिन पर गुरु जी का स्नेह और आशीर्वाद मिला! गुरुजी की कृपा हमेशा ऐसे ही बनी रहे। उपस्थित सभी अतिथियों,कवियों, साहित्यकारों, पत्रकारों का आभारी हूं ।साथ ही गौशाला पहुंचकर जितेंद्र नारोलिया जी द्वारा गौ माता की पूजा आरती संपन्न की यह मेरा सौभाग्य है।।इस अवसर पर काव्य गोष्ठी में काव्य पाठ करने वाले कवियों में द्वारका बांसुरिया ,विनोद पंसारी ,हीरालाल शर्मा, हीरालाल जायसवाल अनाड़ी, निर्मल पचौरी ,जितेंद्र नारोलिया, जोरावर सिंह ,डॉ. विजेंद्र जायसवाल, कैलाश चव्हाण ,संतोष सिसोदिया आदि ने देश भक्ति से ओतप्रोत कविता का काव्यपाठ कर गोष्ठी को ऊंचाइयां प्रदान की साथ ही श्यामलाल चतुर्वेदी, बृजेश पाराशर ,शैलेंद्र सिंह चंदेल ,नितिन उपाध्याय, राज कुमार, मनीष, सहित आश्रम परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

बलपूर्वक हार्वेस्टर से कटवा दी खेत में खड़ी गेहूं की फसल

भयभीत पचामा के किसान परिवार ने की कार्रवाही की मांग

सीहोर(निप्र)। वृद्ध विधवा महिला के खेत पर खड़ी गेंहू की फसल को बलपूर्वक हार्वेस्टर से कटवा दिया गया। भयभीत आतंकित ग्राम पचामा के किसान परिवार ने जनसुनवाई में पहुंचकर कलेक्टर को शिकायत दर्ज कराई। न्यायालय के आदेश की अवहेलना कर अनावेदक के पक्ष में राजस्व अमले के द्वारा की गई एक पक्षीय कार्रवाही को लेकर भी किसान परिवार ने आक्रोश व्यक्त किया।मंगलवार को परिजनों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंची शकुंनतला बाई पत्नी स्वर्गीय लक्ष्मण सिंह ने कलेक्टर को बताया कि ससुर हिम्मतसिंह के नाम की पैतृक भूमि सर्वे नं. 53/1. 53/2, 54/2, 149, 191, 268/622/268, 409, 527, 269, 55, 61, 267, 260, 410, 524, 525, 526, 580/1 रकबा 18.242 हैक्टेयर ग्राम थूनाकलां में स्थित है। जिस में अपने हिस्से 1/3 के संबंध में व्यवहार न्यायाधीश सीहोर के न्यायालय में दिवानी वाद अनावेदकों के विरूध चल रहा है, इस मामले में 12 मार्च को सुनवाई होना है। इस के पहले हीं 10 मार्च सोमवार को अनावेदकों के साथ खेत पर पुलिस के साथ पहुंचकर राजस्व विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों ने मेरे पुत्रों को झूठे प्रकरण में फंसवाने की धमकी देकर खेत में खड़ी लगभग 150 क्विंटल गेंहु की फसल जिस की कीमत 3 लाख 90 हजार रूपये की फसल को बलपूर्वक हार्वेस्टर से कटवा दिया गया। प्रशासन के द्वारा पूरी कार्रवाही बिना कोई पूर्व सूचना के की गई किसी विधि आदेश के दस्तावेज भी परिजनों को नहीं दिखाए गए। इस दौरान खेत पर कृषि कार्य करने वाले कर्मचारियों को भी जाति सुचक अपशब्दों के साथ मारपीट की धमकी दी गई जिस की शिकायत भी अनुसुचित थाने में दर्ज कराई गई है इस संबंध में भी अनावेदकों पर कोई कार्रवाही पुलिस के द्वारा नहीं की गई है। न्याय मांगते हुए शकुंनतला बाई ने कहा कि जब परिजनों ने प्रशासनिक अधिकारियों एवं अनावेदकों के द्वारा अवैधानिक कृत्यों को करने से मना किया गया तो प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा मुझ वृद्ध महिला एवं मेरे परिवारजन को आतंकित एवं भयभीत किया और कहा कि विरोध किया तो पूरे परिवार पर झूठे अपराधिक मुकदमें दर्ज करवा देंगे। गेंहू की फसल कटने के बाद परिवारजन के समक्ष भरण पोषण का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। कोर्ट के आदेश और कानून का घोर उल्लंघन करते हुये बिना किसी वैध आदेश के गेहूं की फसल प्रशानिक अधिकारियों द्वारा अपने पद का दुरुपयोग करते हुये कटवा दी गई है।

जिले के सभी अनुभागों में शांति समिति की बैठकें आयोजित

त्यौहारों के दौरान एकता और शांति बनाए रखने अपील की गई

सीहोर (निप्र)। जिले की गौरवशाली परंपरा के अनुरूप शांति, सद्भाव और भाईचारे के साथ होली, ईद एवं अन्य सभी त्यौहारों को मनाने के उद्देश्य से जिले के सभी अनुभागों में शांति समिति की बैठकें आयोजित की गई। बैठकों में आगामी सभी पर्वों पर जिले में आयोजित होने वाले विभिन्न धार्मिक समारोह के दौरान आवश्यक व्यवस्थाओं के साथ ही कानून व्यवस्था बनाएं रखने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई । सभी राजस्व अधिकारियों ने बैठकों में उपस्थित सभी धर्मों एवं समुदायों के गणमान्य नागरिकों से चर्चा करते हुए कहा कि सभी धर्मों और समुदायों के बीच आपसी सौहार्द और भाईचारे को बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। आगामी त्योहारों एवं महत्वपूर्ण अवसरों को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने के लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। जिले में किसी भी प्रकार की अफवाहों से बचने और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने में नागरिकों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

छावनी होली उत्सव समिति की बैठक सम्पन्न

सीहोर(निप्र)। छावनी उत्सव समिति द्वारा इस वर्ष भी होली का पर्व छावनी क्षेत्र में धूमधाम से मनाने की तैयारियॉ शुरु कर दी गई हैं। गत दिवस समिति की बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें धुलेंडी पर गैर निकालने और रंगपंचमी चल समारोह को लेकर चर्चा हुई ।बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि छावनी होली धुलेंडी पर 14 मार्च शुक्रवार को प्रात: 9 बजे से जगदीश मंदिर चौराहा से गैर की यात्रा निकलेगी। इसमें सभी छावनी के लोग सम्मिलित रहेंगे। यह गैर छावनी के सभी मार्गों पर गमी वाले घरों पर पहुॅचेगी और रंग डालेगी। समिति ने छावनी के लोगों से आव्हान किया है कि इस गैर में अवश्य सम्मिलित हो। साथ ही 11 बजे तक बच्चों को रंग घोलकर ना दें ताकि गैर के दौरान लोग परेशान ना हों।छावनी होली उत्सव समिति ने निर्णय लिया कि 19 मार्च को दोपहर 2 बजे से रंगपंचमी का जुलूस निकलेगा। जो जगदीश मंदिर चौराहा से प्रारंभ होगा और छावनी के सभी मार्गों से होता हुआ नमक चौराहा पर सम्पन्न होगा। इसमें सभी से सम्मिलित रहने और रंग पानी से जोरदार स्वागत करने की अपील की गई है।छावनी होली उत्सव समिति द्वारा विगत सप्ताह भर से छावनी से जुड़े सभी पहली होली गमी वाले घरों की सूची बनाई जा रही है जिसमें व्हास्टअप पर डाला गया है। इससे कई भूल चूक वाले नाम भी याद आ जाते हैं और परम्परा को बल मिलता है।

छावनी में 14 को निकलेगी सामूहिक गैर, रंगपंचमी पर निकलेगा चल समारोह

खादू श्याम मंदिर पर ग्यारस पर किया गया फाग उत्सव का आयोजन हज़ारों की संख्या में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

सीहोर(निप्र)। भोपाल बाईपास स्थित खाटूश्याम मंदिर पर ग्यारस पे भव्य फाग उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें हज़ारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पोहोचकर बाबा खाटूश्यामजी के साथ फूल और गुलाल की होली खेली एवं प्रसादी ग्रहण की जानकारी देते हुए खाटूश्याम मंदिर के संस्थापक ऋषि सोलंकी ने बताया कि हर ग्यारस पर प्रसादी एवं कोई ना कोई धार्मिक आयोजन मंदिर पर रखे जाते है इसी तारतम्य में आगामी होली के पर्व को लेकर इस ग्यारस पर भी मंदिर पर फाग उत्सव का आयोजन रखा गया था इस अवसर पर बाबा का आलोकिक शृंगार किया गया था एवं नि:शुल्क प्रसादी का वितरण किया गया था फाग उत्सव के दोरान हज़ारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा के साथ फूल और गुलाल की होली खेली एवं दर्शन कर धर्म लाभ अर्जित कर प्रसादी ग्रहण की ।

रोजगार मेले में किया गया 61 आवेदकों का प्राथमिक चयन

सीहोर(निप्र)। सीहोर स्थित शासकीय महिला आईटीआई में युवा संगम रोजगार-स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला आयोजित किया गया। इस रोजगार मेले में 214 आवेदकों ने अपना पंजीयन कराया जिसमें विभिन्न 12 कंपनियों द्वारा 61 आवेदकों का प्रथमिक चयन किया गया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना में 113 युवाओं का पंजीयन किया गया। इस रोजगार मेले में जिला व्यापार उद्योग केंद्र द्वारा विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं हितग्राहियों को 01 करोड़ 14 लाख रूपये के ऋण प्रदान किए गए। इस अवसर पर जिला उद्योग महाप्रबंधक अनुराग वर्मा, जिला रोजगार अधिकारी श्याम कुमार धुर्वे, एलडीएम अरुण शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। आज आयोजित रोजगार-स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले में विभिन्न 12 कंपनियों द्वारा 61 पदों पर युवाओं का चयन किया गया। इस मेले में इछावर निवासी प्रदीप सेन को भी रोजगार मिला है।

मातृ शक्ति सम्मान समारोह में 150 से अधिक महिलाओं का सम्मान

सीहोर(निप्र)। मंगलवार को शहर के बस स्टैंड स्थित एक निजी होटल में नगर पालिका परिषद के तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अंतर्गत मातृ शक्ति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था। इस मौके पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ब्रह्माकुमारी संस्था की दीदी का समाजसेवी श्रीमती सविता रुद्र प्रकाश राठौर, श्रीमती सोनल प्रिंस राठौर और कार्यक्रम का सफल संचालन करने वाली शोभा चांडक आदि ने करीब 150 से अधिक महिलाओं का सम्मान करते हुए महिला दिवस की सभी महिलाओं, बेटियों और बहनों को शुभकामनाएं दीं।

कार्यालय, कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड सीहोर(म.प्र.)

Mail I.D. :- eephseh@nic.in Fax-No. :- 07562-224092 Telephon No. :-07562-224092 NEW BUS STAND SEHORE 466001(M.P.)

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 14/नि.प्र./खण्ड सीहोर/लोस्वायाँवि/2024-25 सीहोर, दिनांक 07.03.2025

निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अन्तर्गत ठेकेदारों से मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रण सूचना जारी होने के दिनांक तक समस्त संशोधनों सहित ई-टेण्डरिंग पद्धति द्वारा ऑनलाईन निविदाओं में निहित शर्तों के अनुरूप आमंत्रित की जाती है, जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं कार्यो का विवरण वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है। वेबसाइट पर होने वाली तकनीकी समस्याओं हेतु विभाग जिम्मेदार नही होगा।

निविदा क्रमांक	कार्य	अनुमानित लागत (रू. में)	धरोहर राशि (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य- (रू.में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
2025_PHED 40_8035_1	प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजनान्तर्गत सीहोर जिले के विकासखण्ड सीहोर, इछावर, आष्टा एवं बुदनी के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में खनित किये जा रहे नलकूपों में सिंगलफ्रेस मोर पम्प क्रय कर स्थापित किये जाने का कार्य।	1894984.00	37900.00	2000.00	01 माह

क्र.	कार्यक्रम का विवरण	निर्धारित निविदा कार्यक्रम (की-डेट्स) एवं समय
01	ऑन लाइन बिड सबमिशन की अन्तिम दिनांक	17.03.2025, 05.30 P M
02	बिड ओपनिंग दिनांक	18.03.2025, 05.30 P M

जी/24176/24

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें, अपनी व दूसरों की जान बचायें

कार्यपालन यंत्री,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
खण्ड सीहोर (म.प्र.)

बहुउद्देशीय प्राथ.कृषि साख सह. संस्था मर्यादित चांदबड जागीर तह. श्यामपुर जिला सीहोर

समस्त सदस्यगण

बहुउद्देशीय प्राथ.कृषि साख सह. संस्था मर्यादित खाईखेडा. तह. श्यामपुर जिला सीहोर की आम सभा दिनांक 25.04.2025 दिन मंगलवार समय 12.30 बजे से कार्यालय भवन खाईखेड़ा में आयोजित की गई है, जिसमें संस्था के समस्त सदस्यगण/ऋणदाता/अमानतदार/कर्मचारीगण आमसभा में साद आमंत्रित है। गणपूर्ति कोरम के आम में बैठक स्थगित होने की दशा में स्थगित होने वाली आधे घंटे पश्चात होगी, जिसमें गणपूर्ति आवश्यक नहीं है। बैठक में आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

विचारणीय विषय-1-बहुउद्देशीय प्राथ.कृषि साख सह. संस्था मर्यादित खाईखेडा. तह. श्यामपुर जिला सीहोर के पुर्नगठन कर नवीन बहुउद्देशीय प्राथ. कृषि साख सह. संस्था मर्यादित हतियाखेडा पंजीयन किये जाने के संबंध में। 2. पुर्नगठन आधार पर अलग होने पर शासन से प्रदत्त अंशपूंजी पूर्वपर्ती संस्था खाईखेड़ा के पास रखने बाबत। 3. सदस्यों की अंशपूंजी का विभाजन कार्यक्षेत्र के आधार पर रखने के संबंध में। 4.पूर्ववर्ती संस्था मुख्यालय पर संस्था अचल सम्पत्ति, गोदाम भवन एवं भूमि हो तो उसे पूर्ववर्ती संस्था के दायित्व में ही रहने दिये जाने के संबंध में। 5.संस्था के कर्मचारियों के विभाजन के संबंध में। 6.संस्था में संचित लाभ या हानि का बटवारा अंशों के अनुपात में किये जाने के संबंध में। 7. शासकीय तथा बैंक के ऋणों का भी वास्तविक देय का अथवा अंशों के अनुपात में किये जाने के संबंध में। 8. पूर्ववर्ती संस्था परिणमी संस्था को आवश्यक मात्रा में फर्नीचर स्टेशनरी प्रदाय करेगी के संबंध में। इन्य विषय प्रशासक/प्रबंधक के निर्देशानुसार रखे जावेंगे।

प्रबंधक
बहुउद्देशीय प्राथ.कृषि साख सह. संस्था मर्यादित
खाईखेडा. तह. श्यामपुर जिला सीहोर

बहुउद्देशीय प्राथ.कृषि साख सह. संस्था मर्यादित चांदबड जागीर तह. श्यामपुर जिला सीहोर

समस्त सदस्यगण

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्यादित चांदबड जागीर तह. श्यामपुर जिला सीहोर की आम सभा दिनांक 24.04.2025 दिन सोमवार समय 12.30 बजे से कार्यालय भवन चांदबड़ जागीर में आयोजित की गई है, जिसमें संस्था के समस्त सदस्यगण/ ऋणदाता/ अमानतदार/ कर्मचारीगण आमसभा में साद आमंत्रित है। गणपूर्ति कोरम के आम में बैठक स्थगित होने की दशा में स्थगित होने वाली आधे घंटे पश्चात होगी, जिसमें गणपूर्ति आवश्यक नहीं है। बैठक में आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

विचारणीय विषय-1-बहुउद्देशीय प्राथ. कृषि साख संस्था मर्यादित चांदबड़ जागीर तह. श्यामपुर जिला सीहीर के पुर्नगठन कर नवीन बहुउद्देशीय प्राथ. कृषि साख सह. संस्था मर्यादित मगरदा पंजीयन किये जाने के संबंध में। 2. पुर्नगठन आधार पर अलग होने पर शासन से प्रदत्त अंशपूंजी पूर्वपर्ती संस्था चांदबड़ जागीर के पास रखने बाबत। 3. सदस्यों की अंशपूंजी का विभाजन कार्यक्षेत्र के आधार पर रखने के संबंध में। 4.पूर्ववर्ती संस्था मुख्यालय पर संस्था अचल सम्पत्ति, गोदाम भवन एवं भूमि हो तो उसे पूर्ववर्ती संस्था के दायित्व में ही रहने दिये जाने के संबंध में। 5.संस्था के कर्मचारियों के विभाजन के संबंध में। 6.संस्था में संचित लाभ या हानि का बटवारा अंशों के अनुपात में किये जाने के संबंध में। 7. शासकीय तथा बैंक के ऋणों का भी वास्तविक देय का अथवा अंशों के अनुपात में किये जाने के संबंध में। 8. पूर्ववर्ती संस्था परिणमी संस्था को आवश्यक मात्रा में फर्नीचर स्टेशनरी प्रदाय करेगी के संबंध में। इन्य विषय प्रशासक/प्रबंधक के निर्देशानुसार रखे जावेंगे।

प्रबंधक
बहुउद्देशीय प्राथ.कृषि साख सह. संस्था मर्यादित
चांदबड जागीर तह. श्यामपुर जिला सीहोर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा कलेक्ट्रेट के सामने कलेक्ट्रेट रोड सीहोर म.प्र. से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com